राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 07 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-192 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अल-जवाहिरी की मौत से सहमा पाकिस्तान, सताने लगा है भारत के सर्जिकल स्ट्राइक का डर

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में अमेरिकी ड्रोन हमले से अल-कायदा प्रमुख अयमान-अल जवाहिरी की हत्या पर पाकिस्तान सहम गया है। इस्लामाबाद को डर है कि उसके देश में भी इस तरह की कार्रवाई की जा सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि स्थानीय सरकार अंतरराष्ट्रीय कानूनों की मदद से देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का हवाला देने में जुटी हुई है। उसे इस बात का डर है कि भारत भी आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए फिर सर्जिकल या एयर स्ट्राइक जैसे प्रयास कर सकता है। आपको बता दें कि बीते सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस बात खुलासा किया था कि अमेरिकी ड्रोन हमले में अल-जवाहिरी को मार डाला गया। अल-जवाहिरी दुनिया के सबसे वांटेड आतंकवादियों में से एक था। वह 11 सितंबर, 2001 के हमलों का मास्टरमाइंड भी था। वह बीते शनिवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अमेरिका द्वारा किए गए ड्रोन हमले में मारा गया। एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को एक साप्ताहिक समाचार ब्रीफिंग के दौरान पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार से अल-कायदा प्रमुख को लेकर सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि क्या जवाहिरी को बाहर निकालने के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र और खुफिया एजेंसियों की भी मदद ली गई, तो उन्होंने इससे इनकार किया। असीम इफ्तिखार ने कहा, इस कार्रवाई का कोई सबूत नहीं है कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का उपयोग किया गया है। इसके अलावा उनसे एक दूसरा सवाल पूछा गया कि क्या पाकिस्तान ऐसे आतंकवाद विरोधी अभियानों का समर्थन करता है। प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के प्रासंगिक प्रस्तावों के अनुसार आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए खड़ा है।

महाराष्ट्र में क्यों नहीं हो पा रहा है कैबिनेट विस्तार ? शिंदे गुट के विधायक ने बताया असली कारण

एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस को शपथ लिए हुए एक महीने से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन राज्य में अभी तक कैबिनेट का विस्तार नहीं हुआ है। इसको लेकर विपक्ष सरकार पर निशाना साध रहा है।

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस को शपथ लिए हुए एक महीने से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन राज्य में अभी तक कैबिनेट का विस्तार नहीं हुआ है। इसको लेकर विपक्ष सरकार पर निशाना साध रहा है। हालांकि शिंदे और फडणवीस कह रहे हैं कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। हालांकि, लोग कैबिनेट विस्तार में हो रही देरी के कारण ढूंढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक दोनों पक्षों की ओर से इस बारे में साफ-साफ कुछ नहीं कहा गया है। किसको कितने मंत्री दिए जाने चाहिए? दोनों पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए कैबिनेट फॉर्मूला क्या है? कहा जा रहा है कि इस वजह से विस्तार रुका हुआ था। लेकिन अब शिंदे समूह के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने कैबिनेट विस्तार ठप होने की असली वजह बताई है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के इंतजार में रुका है कैबिनेट विस्तार?

कल मुंबई में मीडिया से बात करते हुए दीपक करेसरकर ने कहा, 'पार्टी के भीतर लोकतंत्र होना चाहिए या नहीं, यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पता चलेगा। विस्तार में समय लग सकता है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करने की जरूरत है। हमारे द्वारा देश की सर्वोच्च न्यायलय के प्रति सम्मान बनाए रखना जारी है। यही वजह है कि अभी तक मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं किया गया है।' दीपक केसरकर ने बताया कि अंतरिम आदेश सोमवार को आएगा और उसके बाद ही इसे बढ़ाया जाएगा। इस बीच कैबिनेट विस्तार की संभावित सूची सामने आई है। चंद्रकांत पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार, गिरीश महाजन, रवींद्र चव्हाण, राधाकृष्ण विखे पाटिल, प्रवीण दारेकर, नितेश राणे, बबनराव लोणीकर को भाजपा कोटे से मंत्री बनाए जाने की संभावना है। जबकि शिंदे समूह से शंभूराजे देसाई, संजय शिरसत, अब्दुल सत्तार, संदीपन भुमरे, गुलाबराव पाटिल, दादा भूसे, उदय सामंत, दीपक केसरकर के नाम सामने आए हैं।

हालांकि शिंदे और फडणवीस कह रहे हैं कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। हालांकि, लोग कैबिनेट विस्तार में हो रही देरी के कारण ढूंढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक दोनों पक्षों की ओर से इस बारे में साफ-साफ कुछ नहीं कहा गया है। किसको कितने मंत्री दिए जाने चाहिए? दोनों पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए कैबिनेट फॉर्मूला क्या है? कहा जा रहा है कि इस वजह से विस्तार रुका हुआ था।

उमेश कोल्हे हत्याकांड

NIA ने कहा- हत्या का जश्न मनाने बिरयानी पार्टी कर रहे थे आरोपी, एजेंसी को 12 अगस्त तक मिली रिमांड

अमरावती। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अमरावती हत्याकांड में गिरफ्तार दो आरोपियों को स्पेशल कोर्ट में पेश किया। NIA ने कोर्ट में दोनों को हिरासत में लेने की मांग करते हुए कहा कि उमेश की हत्या का जश्न मनाने के लिए बिरयानी पार्टी रखी गई थी, जहां से बुधवार को आरोपी मौलवी मुशफीक अहमद (41) और अब्दुल अरबाज (23) को पकड़ा गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद स्पेशल जस्टिस एके लाहोटी ने आरोपियों को 12 अगस्त तक हृद्ध की हिरासत में भेज दिया है। गौरतलब है कि कोल्हे की 21 जून को पूर्वी महाराष्ट्र के अमरावती शहर में हत्या कर दी गई थी। उमेश ने नूपुर शर्मा के सपोर्ट में सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया था।

मास्टरमाइंड इरफान के संपर्क में थे आरोपी

NIA के मुताबिक अहमद ने आरोपियों को लॉजिस्टिकल सपोर्ट दिया था। अरबाज ने उमेश और उसकी दुकान पर नजर रखी थी। जांच एजेंसी ने अदालत को यह भी बताया कि दोनों ने उमेश की हत्या के बाद अन्य आरोपियों को फरार रहने में भी मदद की थी। इतना ही नहीं मुशफीक ने हत्या के मास्टरमाइंड शेख इरफान के साथ फोन पर बात की थी, जबकि अब्दुल, इरफान के ऑर्गनाइजेशन के लिए ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। मास्टरमाइंड इरफान एक स्वयंसेवी संगठन चलाता था, जिसका नाम रहबर हेल्पलाइन था।

आरोपियों पर UAPA के तहत मामला दर्ज

अरबाज और मुशफीक पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों में इरफान शेख, शोएब खान, मुदस्सिर अहमद, आतिफ राशिद, यूसुफ खान, अब्दुल तौफुक और शाहरुख पठान और शमीम अहमद फिरोज अहमद के सहयोगी हैं। NIA ने दोनों पर आरोपियों को पनाह देने के लिए गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

वी.आई.पी. सुरक्षा को लेकर जारी सभी आदेशों की सूची हाईकोर्ट में तलब, आदेश सुरक्षित

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में वी.वी.आई.पी. व वी.आई.पी. लोगों की सुरक्षा वापस लेने के आदेशों की सूची तलब कर ली है और सरकार से कहा है कि कोर्ट को तुरंत बताया जाए कि आदेशों के तहत कब-कब कितने विशिष्ट लोगों की सुरक्षा वापस ली गई। जस्टिस राजमोहन सिंह ने सुनवाई के दौरान पंजाब के एडवोकेट जनरल से पूछा कि अभी तक सरकार यह नहीं बता पाई कि सुरक्षा वापस लेने की सूचना लीक कैसे हुई और इसके जिम्मेदार कौन हैं। मामले की जांच का क्या हुआ और जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई हुई जिन्होंने सूचना लीक कर सैंकड़ों महत्वपूर्ण लोगों की जान जोखिम

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में वी.वी.आई.पी. व वी.आई.पी. लोगों की सुरक्षा वापस लेने के आदेशों की सूची

में डाल दी है। एडवोकेट जनरल विनोद घई ने कोर्ट को बताया कि उक्त मामले की जांच के लिए एस.आई.टी. गठित की जा चुकी है और इन्वैस्टीगेशन चल रही है जिस पर कोर्ट ने कहा कि इन्वैस्टीगेशन कब पूरी होगी, जब कोई घटना घटेगी। इस पर कोर्ट को आश्वस्त किया गया कि पंजाब में अति विशिष्ट और महत्वपूर्ण लोगों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है जिसे सरकार पूरी तरह निभाएगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री ओ.पी. सोनी की अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि ओ.पी. सोनी और सुखजिंद्र सिंह रंधावा पूर्व सरकार में उपमुख्यमंत्री थे लेकिन दोनों को मिली सुरक्षा में काफी भिन्नता है जहां रंधावा को 38 सुरक्षा कर्मी मिले हुए हैं। वहीं सोनी को मात्र 18 सुरक्षा कर्मी मिले। उन्होंने कहा कि चूंकि सोनी हिंदू वर्ग से संबंध रखते हैं इसलिए उनकी सुरक्षा कम की गई है। जवाब में विनोद घई ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि वह भी ड्क्षहदू हैं, इसलिए इस तरह की बात न की जाए।

"स्मार्ट सिटी" को जैव विविधता के लिहाज से फिर से परिभाषित करने की जरुरत : एनबीए अध्यक्ष

इंदौर (मध्यप्रदेश)। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) के अध्यक्ष विनोद बी. माथुर ने जीव जगत पर जलवायु परिवर्तन के अलग-अलग प्रभावों के साथ ही तेज रफ्तार शहरीकरण के खतरों को लेकर शुक्रवार को चेताया। उन्होंने यह भी कहा कि देश में ''स्मार्ट सिटी'' की परिकल्पना और इस पर अमल को जैव विविधता की दृष्टि से फिर से परिभाषित और सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। माथुर ने शहरी क्षेत्रों में जैव विविधता सहेजने के विषय पर देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''जलवायु परिवर्तन के अलग-अलग प्रभावों के बीच हमारे ग्रह का जैविक संतुलन बिगड़ रहा है और हम अब तक की सबसे तेज रफ्तार से कई प्रजातियों को खोते जा रहे हैं। शहरीकरण की सरपट गति के कारण हमारे लिए यह समस्या और गंभीर होती जा रही है।'' जैव विविधता बचाने के लिए शहरों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत पर जोर देते हुए एनबीए अध्यक्ष ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने की जरूरत है और इस दिशा में स्थानीय निकायों को सभी संबद्ध पक्षों से तालमेल बैठाते हुए अहम भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि शहरों में विशेष पहचान के स्थलों के तौर पर जैव विविधता पार्क स्थापित किए जाने चाहिए ताकि आम लोगों में संकटग्रस्त प्रजातियों को लेकर जागरूकता पैदा हो सके। माथुर ने मिट्टी के संरक्षण पर भी बल देते हुए कहा कि इससे केंचुए और सूक्ष्म जीवों की कई प्रजातियां बच सकेंगी। शहरी क्षेत्रों में जैव विविधता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन प्रकृति हितैषी संगठन द नेचर वॉलंटियर्स ने अन्य संस्थाओं की मदद से किया है। इसमें देश भर के विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

दिल्ली में शराब पर डिस्काउंट पूरी तरह होगा खत्म

नई दिल्ली। दिल्ली में एक सितंबर के बाद शराब की बिक्री पर किसी तरह की छूट या ऑफर नहीं मिलेगा। सभी दुकानों पर शराब की बिक्री निर्धारित कीमतों पर ही की जाएगी। आबकारी विभाग की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि अगर कोई भी दुकानदार निर्धारित मूल्य से कम या ज्यादा पर शराब बेचता पाया जाता है तो उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

शराब की दुकानों का अधिकार खत्म

अभी तक वित्तीय वर्ष 2021-22 की नई नीति के तहत शराब की बिक्री पर दुकानदारों को निर्धारित कीमतों पर छूट देने और बिक्री बढ़ाने के लिए ऑफर देने का भी अधिकार था लेकिन पुरानी व्यवस्था के तहत शराब की दुकानें खोले जाने पर यह व्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

दुकान के अंदर खड़े होकर कर सकेंगे खरीदारी

शराब की दुकानों के अंदर लोग खड़े होकर आराम से शराब खरीद सकें, इसके लिए राजधानी के अंदर 20 नई प्रीमियम दुकानें खोली जाएगीं। इसमें एयरकंडीशन, बैठने की सुविधा से लेकर अपने पसंद की शराब को चुनने का भी विकल्प होगा।

सरकार ने नई पॉलिसी में भी इस तरह की व्यवस्था की थी, जिसमें एक सितंबर के बाद लागू होने वाली पुरानी नीति में भी जारी रखने का फैसला लिया है। पहले चरण में एक सितंबर से आठ दुकानें खोली जाएगी और उसके बाद 31 दिसंबर तक 12 अन्य दुकानों को खोला जाएगा।

विभागों को दिया पांच प्रीमियम दुकानें खोलने का लक्ष्य

ध्यान रहे कि सरकार की तरफ से चार विभाग अब शराब की बिक्री करेंगे, जिसमें डीटीटीडीसी, डीएसआईआई डीसी, डीसीसीडब्ल्यूएस, डीएससीएससी शामिल हैं। सभी विभागों को लक्ष्य दिया गया है कि वो पांच-पांच दुकानें प्रीमियम श्रेणी की खोलेंगे। पहले चरण में दो -दो दुकान खोलनी होंगी।

पुरानी पॉलिसी के तहत 21 दिन का होगा ड्राई-डे

नई नीति के तहत सरकार ने दिल्ली में ड्राई-डे की संख्या को कम कर दिया था लेकिन अब पुरानी नीति के लौटने के बाद राजधानी में ड्राई-डे की संख्या फिर से पुरानी नीति के तहत 21 हो जाएगी।

ड्राई-डे के मौके पर शराब की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित रहती है, जिससे 17 नवंबर 2021 से लागू हुई नई नीति के अंदर घटाकर कम कर दिया था।

देश में बच्चे को गोद लेना बेहद कठिन, सुप्रीम कोर्ट ने तीन हफ्ते में केंद्र से मांगा प्रक्रिया को सरल करने पर जवाब

नई दिल्ली-सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत में बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया बहुत ही कठिन है। इस जटिल प्रक्रिया को तत्काल व्यवस्थित करने की अत्यंत आवश्यकता है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जेबी पार्डीवाला की खंडपीठ ने शुक्रवार को केंद्र की ओर से पेश एडीशनल सोलीसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि वह देश में बच्चों को गोद लेने की प्रकिया को सरल बनाने का विस्तृत ब्योरा दें।

खंडपीठ ने कहा है कि बच्चा गोद लेने संबंधी जनहित याचिका पर नोटिस जारी करने की वजह यह है कि देश में बच्चे को गोद लेने की प्रक्रिया बहुत जटिल और कठिन है। सेंट्रल एडाप्शन रिर्सोस अथारिटी (कारा) की वार्षिक क्षमता साल में दो हजार बच्चों को गोद देने की है। यह क्षमता अब बढ़कर चार हजार हो गई है। लेकिन देश में तीन करोड़ बच्चे अनाथ हैं। इसलिए इस प्रक्रिया को तुरंत व्यवस्थित करने की जरूरत है।

अदालत ने नटराज से कहा कि वह जनहित याचिकाकर्ता 'द टेंपल आफ हीलिंग' को सुझाव दें और इस प्रक्रिया को छोटा और सरल बनाने के लिए किए गए उपायों का ब्योरा हलफनामा दायर करके तीन हफ्ते में कोर्ट को दें। इस पर एएसजी ने कहा कि उन्हें एनजीओ की विश्वसनीयता की कोई जानकारी नहीं है और उन्हें जनहित याचिका की प्रति भी अभी तक नहीं मिली है। खंडपीठ ने कहा कि शुरू में उन्हें भी एनजीओ के इरादे पर संशय था, लेकिन एनजीओ की ओर से पेश पियूष सक्सेना इस मुद्दे को सुलझाने के लिए एक बड़ी कंपनी कारपोरेट नौकरी छोड़ दी है। उन्होंने सक्सेना को जनहित याचिकी की प्रति नटराज को देने को कहा। ताकि वह तीन हफ्ते के अंदर अपना जवाब दाखिल कर सकें।

गौरतलब है कि 11 अप्रैल को, शीर्ष अदालत ने भारत में बच्चे को गोद लेने की कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की थी। याचिका में कहा गया था कि देश में सालाना केवल 4,000 बच्चों को गोद लिया जाता है। एनजीओ की ओर से पेश सक्सेना ने कहा कि उन्होंने बच्चे को गोद लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को कई बार आवेदन किया था, लेकिन अब तक कुछ भी नहीं हुआ है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार वह एक मात्र स्थान है जहां आपके सपने असंभव होते हैं वह है स्वयं आपका मस्तिष्क। - अज्ञात

संपादकीय

पसमांदा मुसलमानों का उद्धार

– डॉ. वेदप्रताप वैदिक

देश के कुल मुसलमानों में पसमांदा मुसलमानों की संख्या लगभग 90 प्रतिशत है। पसमांदा का मतलब है- पिछड़े हुए। इन पिछड़े हुए मुसलमानों में वे सब शामिल हैं, जो कभी हिंदू थे लेकिन उनमें भी पिछड़े, अछूत, अनुसूचित और निम्न समझी जानेवाली जातियों के थे। इस्लाम तो जातिवाद और ऊंच-नीच के भेद को नहीं मानता है लेकिन हमारे मुसलमानों में ही नहीं, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मुसलमानों में भी जातिवाद जस-का-तस कायम है, जैसा कि वह हिंदुस्तान में फैला हुआ है। पाकिस्तान के जाट, गूजर, अहीर, कायस्थ, खत्री, पठान और यहां तक कि अपने आप को ब्राह्मण कहने वाले मुसलमानों से भी मेरा मिलना हुआ है। अफगानिस्तान में पठान, ताजिक, उजबेक, किरगीज, खत्री और मू-ए-सुर्ख मुसलमानों से भी मेरा कई बार साबका पड़ा है। इन मुस्लिम देशों में भी जातिवाद मौजूद है लेकिन वह वहां दबा-छिपा रहता है। भारत में भी जातिवाद का जबरदस्त बोलबाला है। भारत के 'अशराफ' और 'अजलाफ' मुसलमान 'अरजाल' मुसलमानों से हमेशा कोई न कोई फासला बनाए रखते हैं। पहले दो वर्गों में आनेवाले लोग अपने आप को तुर्कों, मुगलों और पठानों का वंशज समझते हैं और अजलाफ लोग वे हैं, जो ब्राह्मण और राजपूतों से मुसलमान बन गए हैं। भारत के मालदार, उच्च पदस्थ और शिक्षित मुसलमानों में अरजाल मुसलमानों की संख्या लगभग नगण्य है। उनमें ज्यादातर खेती, मजदूरी, साफ-सफाई और छोटी-मोटी नौकरियां करनेवाले गरीब लोग ही होते हैं। इन्हीं मुसलमानों को न्याय दिलाने के लिए तीन-चार पसमांदा नेताओं ने इधर कुछ पहल की है। उनमें से एक नेता अली अनवर अंसारी ने बड़ा सुंदर नारा दिया है, जो मेरे विचारों से बहुत मेल खाता है। वे कहते हैं: दलित-पिछड़ा एक समान। हिंदू हों या मुसलमान। मैं तो इसमें सभी भारतवासियों को जोड़ता हूं, वे चाहे किसी भी धर्म या जाति के हों। जाति और धर्म किसी का न देखा जाए, सिर्फ उसका हाल कैसा है, यह जाना जाए। हर बदहाल का उद्धार करना सरकार का धर्म होना चाहिए। इसीलिए मैं जातीय और मजहबी आरक्षण को अनुचित मानता हूं। आरक्षण जन्म से नहीं, जरूरत से होना चाहिए।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पसमांदा मुसलमानों के साथ न्याय की आवाज उठाई है। मेरे ही सुझाव पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिवंगत प्रमुख श्री कुप्प सी. सुदर्शन ने राष्ट्रीय मुस्लिम मंच की स्थापना की थी। यदि हम जाति और मजहब को सामाजिक और आर्थिक न्याय का आधार बनाएंगे तो देश में जातिवाद और सांप्रदायिकता का जहर फैला देंगे। ऐसा करके हम अगली सदी में भारत के कई टुकड़े करने का आधार तैयार कर देंगे। हमें ऐसा भारत बनाना है, जिसके महासंघ में भारत के पड़ोसी हिंदू, सुन्नी, मुस्लिम, बौद्ध और शिया देश में शामिल होने की आकांक्षा रखें।

(लेखक, भारतीय भाषा सम्मेलन के अध्यक्ष हैं।)

आज के कार्टुन

आत्म विकास

श्रीराम शर्मा आचार्य

व्यक्तित्व के विकास के लिए प्रातः उठने से लेकर सोने तक की व्यस्त दिनचर्या निर्धारित करें। उसमें उपार्जन, विश्राम, नित्य कर्म, अन्यान्य काम- काजों के अतिरिक्त आदर्शवादी परमार्थ प्रयोजनों के लिए एक भाग निश्चित करें। साधारणतया आठ घण्टा कमाने, सात घण्टा सोने, पांच घण्टा नित्य कर्म एवं लोक व्यवहार के लिए निर्धारित रखने के उपरांत चार घंटे परमार्थ प्रयोजनों के लिए निकालना चाहिए। इसमें भी कटौती करनी हो, तो न्यूनतम दो घंटे तो होने ही चाहिये। इससे कम में पुण्य परमार्थ के, सेवा साधना के सहारे बिना न सुसंस्कारिता स्वभाव का अंग बनती है और न व्यक्तित्व का उच्चस्तरीय विकास संभव होता है। आजीविका बढ़ानी हो तो अधिक योग्यता बढ़ाएं। परिश्रम में तत्पर रहें और उसमें गहरा मनोयोग लगाएं। साथ ही अपव्यय में कठोरतापूर्वक कटौती करें। सादा जीवन उच्च विचार का सिद्धांत समझें। अपव्यय के कारण अहंकार, दुर्व्यसन, प्रमाद बढ़ने और निंदा, ईर्ष्या, शत्रुता पल्ले बांधने जैसी भयावह प्रतिक्रियाओं के अनुमान लगाएं। सादगी प्रकारान्तर से सज्जनता का ही दूसरा नाम है। औसत भारतीय स्तर का निर्वाह ही अभीष्ट है। अधिक कमाने वाले भी ऐसी सादगी अपनाएं जो सभी के लिए अनुकरणीय हो। ठाट-बाट प्रदर्शन का खर्चीला ढकोसला समाप्त करें। अहर्निश पशु प्रवृत्तियों को भड़काने वाले विचार ही अंतराल पर छाये रहते हैं। अभ्यास और समीपवर्ती प्रचलन मनुष्य को वासना, तृष्णा और अहंकार की पूर्ति में निरत रहने का ही दबाव डालता है। सम्बन्धी मित्र परिजनों के परामर्श प्रोत्साहन भी इसी स्तर के होते हैं। लोभ, मोह और विलास के कुसंस्कार निकृष्टता अपनाए रहने में ही लाभ तथा कौशल समझते हैं। ऐसी ही सफलताओं को सफलता मानते हैं। इसे एक चक्रव्यूह समझना चाहिये। भव-बंधन के इसी घेरे से बाहर निकलने के लिए प्रबल पुरुषार्थ करना चाहिये। कुविचारों को परास्त करने का एक ही उपाय है- प्रज्ञा साहित्य का न्यूनतम एक घंटा अध्ययन अध्यवसाय। इतना समय एक बार न निकले तो उसे जब भी अवकाश मिले, थोड़ा-थोड़ा करके पूरा करते रहना चाहिये। यही है व्यक्तित्व के कुछ सिद्धांत।

आर्थिक बदहाली से पाक में राजनीतिक अस्थिरता

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान की उच्च न्यायपालिका की सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। लेकिन 26 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब विधानसभा अध्यक्ष के दिए निर्णय, जो जाहिर तौर पर गैरकानूनी था, पर तेजी से काम किया है। विधानसभा अध्यक्ष दोस्त मोहम्मद मज़ारी द्वारा कुछ दिन पहले दिए गए उस फैसले को उलट दिया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के बेटे हमज़ा शहबाज़ को नए मुख्यमंत्री के लिए हुए मतदान में विजेता घोषित किया। सदन अध्यक्ष ने घपलेबाजी कर कहा कि हमज़ा को 179 वोट तो विरोधी उम्मीदवार और मुस्लिम लीग के वरिष्ठ नेता चौधरी परवेज़ इलाही को 176 मत मिले। जबकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परवेज़ इलाही को विजेता घोषित करने का फैसला ऐसे वक्त पर आया है जब जरूरत की वस्तुओं जैसे कि गेहूं, सब्जियों, चीनी और मांस की आसमान छूती कीमतों की वजह से पाकिस्तान भर में अशांति बढ़ रही है। इस स्थिति के लिए पूरा देश शहबाज़ शरीफ के नेतृत्व वाली संघीय सरकार को जिम्मेवार मानता है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त पर है जब इमरान खान फिर से लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं और लोगों का गुस्सा यह कहकर भुना रहे हैं कि शहबाज़ सरकार ने देश को नीचे गिराया है। जबकि आर्थिक नीतियों में शहबाज़ शरीफ की कारगुज़ारी इमरान खान से ज्यादा बढ़िया रही है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के बारे में सबसे अहम यह है कि आम आदमी की जिंदगी खाद्य पदार्थों की कीमतों और छत्ता फाड़ने को उद्यत मुद्रा स्फीति की वजह से कष्टकारी होती जा रही है। निचले और मध्यम वर्ग के लिए खाने-पीने की वस्तुएं, परिवहन और बिजली पहुंच से बाहर होती जा रही है। आधिकारिक तौर पर माना गया है कि मुद्रा स्फीति की दर 21.3 फीसदी है। पाकिस्तान को लंबे समय से यकीन है कि वह अपना कर्ज चुकाने में अमेरिका पर प्रभाव डाल सकेगा, जैसा कि विगत में शीत युद्ध और अफगानिस्तान में अमेरिकी फौजों की उपस्थिति के दौरान अमेरिका करता रहा। अमेरिका और उसके सहयोगी हालांकि इस खेल को अब समझ चुके हैं। पाकिस्तान का बाहरी कर्ज तेजी से बढ़ रहा है वहीं विदेशी मुद्रा भंडार एकदम घटकर 10 बिलियन डॉलर के आसपास रह गया है। बेशक पाकिस्तान खुद को चीन का सदाबहार दोस्त कहता आया है परंतु चीनी किसी को कुछ भी मुफ्त में नहीं देते। हालांकि पाकिस्तान को चीन से घटी दरों पर हथियार मिलने जारी हैं। लेकिन शी जिनपिंग का चीन जो कुछ देता है उसकी कीमत जरूर वसूलता है। पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि श्रीलंका को हम्बनतोता बंदरगाह के निर्माण कार्य के लिए उठाया कर्ज न चुका पाने की एवज में उसका नियंत्रण चीन को सौंपना पड़ा है। बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह के विकास या चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा बनाने के लिए उठाया चीनी ऋण अदा न कर पाने की सूरत में यही कुछ हो सकता है। बेशक फिलहाल यह होता दिखाई नहीं दे रहा। आखिरकार चीन की भारत की सामरिक घेराबंदी करने वाली योजना में पाकिस्तान महत्वपूर्ण साझेदार है। पाकिस्तान को लंबे समय से यकीन है कि वह बड़ी ताकतों से जुड़कर अपने बजट को संतुलित कर पाएगा। वह दशकों तक चीन और अमेरिका का सहयोगी मुल्क रहा है। हाल ही में चीन ने पाकिस्तान को उबारने के लिए 2.3 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है। पाकिस्तान पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय कार्यबल द्वारा लगाए प्रतिबंध हटवाने की कोशिश में चीन पूरी तरह साथ दे रहा है। इसी बीच चीन की इस किस्म की हरकतों का जवाब देने के लिए भारत विएतनाम, फिलीपींस और इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइलें मुहैया करवा रहा है, जिन्हें अपनी जलीय सीमाओं में जब-तब चीनी युद्धक पोतों के अतिक्रमण का सामना करना पड़ता है। जाहिर है चीन का अगला कदम पाकिस्तान से होकर अफगानिस्तान पहुंचने का गलियारा बनाना होगा ताकि अफगानिस्तान की खनिज और धातु रूपी अकूत प्राकृतिक संपदा का दोहन किया जा सके। हाल के घटनाक्रम को लेकर इमरान खान उत्साहित हैं, जिससे उन्हें लगता है कि सत्ता में वापसी की राह प्रशस्त हो रही है। पाकिस्तान के सबसे ज्यादा आबादी वाले सूबे पंजाब में हालिया उप-चुनावों के परिणाम संकेत देते हैं कि इमरान खान राष्ट्रीय स्वीकार्यता की लहर पर सवार हैं। आम चुनाव अक्तूबर 2023 में होने हैं किंतु इस साल नवम्बर माह में नियत नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति भी इतनी ही महत्वपूर्ण है। वह सेना प्रमुख, जो अपने पूर्ववर्तियों की भांति, सरकार, संसद और यहां तक कि न्यायपालिका पर बहुत प्रभाव रखने वाला होगा। इमरान खान अपनी पसंद के जिस ले. जनरल फैज हमीद को अगला सेनाध्यक्ष देखना चाहते हैं वह फिलहाल पेशावर स्थित सेना कोर के कमांडर हैं और उन्होंने आईएसआई प्रमुख रहते हुए इमरान खान की वफादारी से सेवा की है। जबकि सेनाध्यक्ष बनने की पात्रता के लिए मौजूदा ले़ जनरलों की वरीयता सूची में फैज़ हमीद दसवें नंबर पर हैं। अगले सेनाध्यक्ष की नियुक्ति में इमरान खान अपनी निर्णायक भूमिका चाहेंगे। उन्हें निजी तौर पर सेनाध्यक्ष के प्रभाव और ताकत का अनुभव मौजूदा जनरल बाजवा से हो चुका है, जब उन्हें सत्ता से गैर-रस्मी ढंग से हटा दिया गया था। इसलिए उनकी मांग है कि शहबाज शरीफ को जल्द ही नहीं बल्कि फौरन हटाकर समय-पूर्व आम चुनाव करवाए जाएं। जनरल बाजवा 29 नवंबर तक पद पर बने रहेंगे। उनका जानशीन कौन होगा इसकी सिफारिश उन्हें करनी है। अगले साल अक्तूबर माह में नियत आम चुनाव होने तक इमरान खान अपना शोर जारी रखे रहेंगे, हो सकता है ये चुनाव कुछ महीने पहले हो जाएं। भारत को दक्षतापूर्वक आगे देखना होगा कि पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन बंद करने के लिए लेकर जो दबाव है, वह जारी रहे। यह अतंर्राष्ट्रीय वित्तीय कार्यबल का दबाव ही था जिससे पाकिस्तान को लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज़ मोहम्मद सईद पर कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन वहीं अन्य आतंकी सरगना जैसे कि जैश-ए-मोहम्मद का मौलाना मसूद अज़हर, जो इंडियन एअरलाइन्स की उड़ान आईसी-814 और उसके बाद अनेक आतंकी हमलों का मुख्य षड्यंत्रकारी था, वह अछूता है। चीन ने भी साफ कर दिया है कि वह प्रतिबंध हटवाने के पक्ष में है ताकि पाकिस्तान की हरकतों और नीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय कार्यबल की कड़ी निगरानी खत्म हो सके। निःसंदेह, यदि भारत विरोधी सोच वाले राजनीतिक दल की वापसी सत्ता में हुई तो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद नए आयाम ले सकता है। यह इसलिए साफ है क्योंकि वर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा को यकीन है कि वे काबीना मंत्रियों से ज्यादा काबिल हैं तो उन्होंने अमेरिका के उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन को फोन करके कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से पाकिस्तान के लिए धन जारी करने में मदद करें, जिसकी पाकिस्तान को सख्त जरूरत है। हालांकि इमरान खान ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका नजरिया आईएसआई के रिवायती दृष्टिकोण से अलहदा नहीं है। इमरान खान और बाइडेन प्रशासन के बीच स्नेह अभी भी पहले जितना है। लेकिन यदि इमरान खान दोबारा सत्तासीन हुए तो अंतर-सीमा आतंकवाद और भारत से तनाव बढ़ाने को कोई कोर-कसर नहीं रखेंगे।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन

– डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

भारतीय संस्कृति में प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार का उपभोगवादी विचार नहीं है। इसके विपरीत प्रकृति के प्रति सम्मान को महत्व दिया गया। इसके अंतर्गत उसके संरक्षण और संवर्धन का भाव समाहित है। ऐसा होने पर प्रकृति स्वयं मानव के लिए कल्याणकारी होगी। तब उस पर अधिकार जमाने की आवश्यकता ही नहीं रहेगी। तब किसी को यह बताने की जरूरत नहीं रहेगी कि प्राकृतिक संसाधनों पर पहला अधिकार किसका है। यह अधिकार का नहीं कर्तव्य का विषय है। प्रतिस्पर्धा अधिकार के लिए नहीं, कर्तव्य के लिए होनी चाहिए। तब किसी के लिए प्राकृतिक संसाधनों की कोई कमी नहीं रहेगी। भारतीय चिंतन के इस विचार को योगी आदित्यनाथ ने समझा। इसीलिए उन्होंने पांच वर्षों के दौरान प्राकृतिक संरक्षण और संवर्धन संबन्धी अभूतपूर्व कार्य किए हैं। पिछले कार्यकाल के दौरान प्रदेश में सौ करोड़ पौधों का रोपण कर कीर्तिमान बनाया गया। दूसरे कार्य के शुरुआती दौर में ही पैंतीस करोड़ पौधों का रोपण हो रहा है। इसके साथ ही जल संरक्षण के भी व्यापक स्तर पर कार्य हुए हैं। इनका लाभ वहां के लोगों को मिल रहा है। अनेक सिंचाई परियोजनाओं को पूरा किया गया। इसमें पिछले चार दशकों से लंबित सिंचाई परियोजनाएं भी शामिल हैं। इससे सिंचित क्षेत्र का व्यापक विस्तार हुआ है। पश्चिम की उपभोगवादी संस्कृति ने पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान पहुंचाया है। भारत के ऋषि हजारों वर्ष पहले ही पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दे चुके थे। यह आज पहले से भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। ऋषियों ने नदियों को दिव्य मानकर प्रणाम किया। जल में देवत्व देखा,उसका सम्मान किया। पृथ्वी सूक्ति की रचना की। वस्तुतः यह सब प्रकृति संरक्षण का ही विचार था। हमारी भूमि सुजला सुफला रही, भूमि को प्रणाम किया, वृक्षों को प्रणाम किया। उपभोगवादी संस्कृति ने इसका मजाक बनाया। आज वही लोग स्वयं मजाक बन गए। प्रकृति कुपित है, जल प्रदूषित है, वायु में प्रदूषण है। इस संकट से निकलने का रास्ता विकसित देशों के पास नहीं है। इसका समाधान केवल भारतीय चिंतन से हो सकता है। विश्व की जैव विविधता में भारत की सात प्रतिशत भागीदारी है। हमारे ऋषि युग दृष्टा थे। वह जानते थे कि प्रकृति के प्रति उपभोगवादी दृष्टिकोण से समस्याएं ही उतपन्न होंगी। इसीलिए उन्होंने प्रकृति की शांति का मंत्र दिया था। भारत के इतिहास और संस्कृति दोनों में जैव विविधता का महत्व दिखाई देता है। अथर्ववेद में विभिन्न औषधियों का उल्लेख है। जैव विविधता को बढ़ावा देना और अधिक से अधिक पेड़ और औषधियां लगाना हम सबका कर्तव्य है। जैव विविधता से हमारी पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता है। जो एक-दूसरे के जीवनयापन में सहायक होते हैं। जैव विविधता पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को कहा जाता है। भारत अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है। भारत सत्रह उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में से एक है। विगत पांच वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाये गये अभियानों के सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। योगी आदित्यनाथ मानते हैं इन प्रयासों से आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवरेगा। भूगर्भीय जल के प्रबन्धन और संरक्षण की कार्ययोजना से व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। पांच वर्ष में प्रदेश में साठ से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया गया है। जन सहभागिता के माध्यम से ग्राम्य विकास और अन्य विभागों ने जल शक्ति विभाग के साथ मिलकर इनके पुनर्जीवन के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश व प्रदेश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रत्येक जनपद के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में पचहत्तर -पचहत्तर अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए एक विशेष व्यवस्था की है। इसके अन्तर्गत शहरी क्षेत्रों में एक विशेष क्षेत्रफल से अधिक के आवासों के निर्माण में तथा किसी भी सरकारी भवन के निर्माण के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की अनिवार्यता की गई है। खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़' एवं घर का पानी घर में खेत का पानी खेत में के विचार से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पुराने सरोवर,तालाबों तथा कुओं को फिर से पुनर्जीवित करना आवश्यक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आदिकाल से ही भारतीय मनीषा ने जल को बहुत पवित्र भाव के साथ देखा था। पृथ्वी सूक्त में सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के कल्याण के साथ ही जल के कल्याण की बात भी निहित है। जीव-जन्तु और सृष्टि की कल्पना जल के बगैर नहीं की जा सकती। नदियों को पवित्र भाव से देखा जाता रहा है। उसे मां जैसा दर्जा प्रदान किया गया है। गंगा मैया के रूप में हमने भारत की सबसे पवित्र नदी को मान्यता दी। भारत की ऋषि और कृषि दोनों परम्पराओं के संवर्धन में योगदान देने वाली गंगा हैं।

यह किसी से छिपा नहीं है कि जिस तेजी के साथ आबादी बढ़ी और औद्योगीकरण हुआ, उसके फलस्वरूप भूगर्भीय जल का दोहन भी बढ़ा। उस अनुपात में भूगर्भीय जल के संरक्षण और संवर्धन के लिए जो कदम उठाये जाने चाहिए थे उनमें, बीच के कालखण्ड में, लापरवाही बरती गयी। इसका व्यापक असर प्रदेश के भू-जलस्तर पर पड़ा। अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। डार्क जोन घट रहे हैं। विभिन्न जनपदों के पच्चीस विकास खण्ड भूजल की अतिदोहित श्रेणी से बाहर निकले हैं। इस प्रकार प्रदेश के अन्दर भूजल संरक्षण के लिए अनेक क्षेत्रों में प्रारम्भ किये गये कार्यक्रमों के बेहतर परिणाम सामने आये हैं। कैच द रेन योजना पर भी प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। योगी की सजगता का ही नतीजा है कि

सू-दोकू नवताल ·2183

	9			7	4	5	8	
3				2				
		1				6		3
2		9			6		1	
		4		8		2		
	6		7			9		4
4		7				3		
				5				6
	1	6	2	3			5	

सू-दोकू -2182 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2183

बायें से दायें:-

1. अर्जुन रामपाल, ऐश्वर्या राय की 'कितना मजबूर हो गया' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. 'सोलह बरस इंतजार कर लिया' गीत वाली मिथुन, विनीता की फिल्म-4
6. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-2
7. संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सावरिया' की नायिका-3
10. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'मेरे यार दिलदार' गीत वाली फिल्म-4
13. 'ऐसी हसीन चांदनी पहले कभी न थी' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
14. ऋषि कपूर, नीतू सिंह की 'किसी पे दिल अगर आ जाए तो' गीत वाली फिल्म-5
15. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-2
16. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
19. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-2
22. 'परदेस जाके परदेसिया' गीत वाली फिल्म-3
23. संजीव कुमार, विनोद मेहरा, शर्मिला टैगोर की 'जिंदगी अब तो तेरे नाम से डर लगता है' गीत वाली फिल्म-4
28. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-4
31. अंग्रेजी फिल्म 'फॉर्च्यून कुकी' पर आधारित एक फिल्म जिसमें सुनील गावस्कर ने अभिनय किया था-4
32. 'कहां गए ममता भरे दिन' गीत वाली सुनील शट्टी, रंभा की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

2. क्रिकेट खेल पर आधारित आमिर खान, ग्रेसी सिंह की चर्चित फिल्म-3
3. 'हर तरफ तू' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा की फिल्म-2
4. राजेंद्र कमार, सायरा बानो की 'अपने पिया की प्रेम पुजारन' गीत वाली फिल्म-3
5. 'तू मैके मत जइयो' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-3
7. 'तेरा रंग बल्ले बल्ले' गीत वाली फिल्म-3
8. 'गम का फसाना बन गया अच्छा' गीत वाली संजीव, लीना चंदावरकर की फिल्म-4
9. राजकुमार, विनोद खन्ना, वहीदा रहमान, की 'हमें तुमसे प्यार कितना' गीत वाली फिल्म-4
11. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीत वाली फिल्म-3
12. तब्बू की 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म-3
15. 'अपुन बोला तू मेरी लैला' गीत वाली फिल्म-2
17. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिंपल की 'कागज पे कुछ हो लिखा' गीत वाली फिल्म-2
18. 'एक गगन का राजा' गीत वाली सुनील दत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-3
20. सोनू सूद, नेहा धूपिया की 'यार को मैंने मुझे यार ने सोने ना दिया' गीत वाली फिल्म-2
21. 'दिल के टुकड़े-टुकड़े करके' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2
24. 'काहे जादू किया मुझको इतना बता' गीत वाली अशोक कुमार, नादिरा की फिल्म-3
25. 'चौदहवीं का चांद हो' गीत के संगीतकार-2
26. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की 'कोलबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-2
27. अमिताभ बच्चन वाली फिल्म 'नास्तिक' की नायिका-2
29. फिल्म 'जीवन-मृत्यु' में धर्मेन्द्र की नायिका-2
30. नाना पाटेकर, पुरुराज कुमार, अनुपमा वर्मा की 'कमसिन कली हूं' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2182

सा	व	रि	या		ज	ब	वी	मे	ट
थी		फ्यू		ड		बी		ला	
	बा	जी	ग	र		ता	ल		ब
रा	ज		द		गो		व	जू	द
म		ध	र	ती		ही		ली	ला
ब	ल	मा		न	ज	रा	ना		
ल		ल		दे			म	म	ता
रा	खी		अ	वि	ना	श		ह	
म		रो		यां		बा	द	ल	
	अ	ग	र		बे	ना	म		डी

रेपो दर वृद्धि प्रभाव- पीएमबी और आईसीआईसीआई बैंक ने कर्ज दर बढ़ाई

नई दिल्ली । देश के बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को खुदरा महंगाई को काबू में लाने के लिए रेपो रेट को 0.5 फीसदी बढ़ाकर 5.4 फीसदी कर दिया। अब इसका असर दिखने लगा है। प्राइवेट सेक्टर के बैंक आईसीआईसीआई बैंक और पंजाब नेशनल बैंक ने कर्ज देने की दर बढ़ा दी है। आईसीआईसीआई बैंक ने एक सूचना में कहा कि आईसीआईसीआई बैंक एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट को रिजर्व बैंक के बढ़ाए हुए रेपो रेट के अनुरूप कर दिया गया है। आई-ईबीएलआर 9.10 फीसदी वार्षिक और प्रतिमाह देय है। यह 5 अगस्त, 2022 से प्रभावी होगी। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने भी दर में वृद्धि की जानकारी देते हुए कहा, 'आरबीआई द्वारा रेपो दर बढ़ाने के बाद रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) को भी 7.40 फीसदी से बढ़ाकर 7.90 फीसदी किया गया है जो 8 अगस्त, 2022 से प्रभावी होगी।' गौरतलब है कि आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो रेट को 0.5 फीसदी बढ़ाकर 5।4 फीसदी कर दिया। रेपो रेट 3 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इससे कर्ज की मासिक किस्त बढ़ेगी। साथ ही मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने नरम नीतिगत रुख को वापस लेने पर ध्यान देने का भी निर्णय किया है। एमपीसी की तीन दिन की बैठक में किए गए फैसले की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि एमपीसी ने आम सहमति से रेपो रेट 0.5 फीसदी बढ़ाकर 5.4 फीसदी करने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ऊंची मुद्रास्फीति से जूझ रही है और इसे नियंत्रण में लाना जरूरी है।

पीएफआरडीए जल्द ही एक नई योजना लांच करेगा

नई दिल्ली । नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) में निवेश करने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) जल्द ही एक नई योजना लॉन्च कर सकता है। इस योजना में निवेशकों को गारंटिड पेंशन दी जाएगी। इसे नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत 30 सितंबर से लॉन्च किया जा सकता है! एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले 13 सालों की अवधि में पीएफआरडीए ने 10.27 फीसदी दर से सालाना चक्रवृद्धि ब्याज दिया है। पीएफआरडीए का रिटर्न हमेशा महंगाई दर से ज्यादा रहा है। पेंशन एसेट्स का साइज 35 लाख करोड़ रुपए है। इनमें से कुल 7.72 लाख करोड़ रुपए नेशनल पेंशन सिस्टम के पास है। 40 फीसदी फंड कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के पास है। जानकारी के मुतो बिक इस साल सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.41 लाख से बढ़कर 9.76 लाख हो गई है। मौजूदा वित्त वर्ष में इस संख्या में 20 लाख की बढ़ोतरी का अनुमान है। एनपीएस एक मार्केट लिंक्ड प्रोडक्ट है। इसके रिटर्न में उतार-चढ़ाव हो सकता है। एनपीएस में दो अकाउंट खोले जा सकते हैं, टियर 1 और टियर 2, टियर 2 अकाउंट सेविंग अकाउंट है। यह स्वैच्छिक हैः इसमें से पैसे निकालने पर कोई पाबंदी नहीं है। टियर 1 रिटायरमेंट अकाउंट है। इस अकाउंट से पैसे निकालने पर कुछ शर्तें लागू होती हैं। इसमें रिटायरमेंट से पहले केवल आंशिक निकासी ही की जा सकती है। पांच साल पूरे होने पर इस अकाउंट से आप अपने कंट्रिब्यूशन का 25 फीसदी निकाल सकते हैं। जिसमें बीमारी का इलाज, विकलांगता, बच्चों की शादी या शिक्षा और प्रॉपर्टी खरीदना शामिल हैं।

ईडी ने क्रिप्टो एक्सचेंज वज़ीरएक्स की 64 करोड़ की राशि जब्त की

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश के प्रमुख क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंजों में से एक वज़ीरएक्स की बैंकों में जमा 64.67 करोड़ रुपए की राशि जब्त कर ली है। ईडी ने हाथों-हाथ ऋण देने वाले एप्लिकेशन के खिलाफ चल रही धन शोधन जांच के तहत यह कार्रवाई की है। एजेंसी ने कहा कि वजीरएक्स का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी जनमई लैब प्राइवेट लिमिटेड के एक निदेशक समीर म्हात्रे के खिलाफ तीन अगस्त को छापे मारे गए थे। जांच एजेंसी ने कहा कि वह मांगी गई जानकारी साझा नहीं कर रहे थे और जांच में सहयोग भी नहीं कर रहे थे। ईडी ने एक बयान में कहा कि एक्सचेंज और उसके अधिकारी भारतीय नियामक एजेंसियों द्वारा निगरानी या जांच से बचने के लिए विरोधात्मक और अस्पष्ट जवाब दे रहे थे। एजेंसी ने पाया कि देश में मोबाइल ऐप के माध्यम से फंसाने वाले ऋण देने में शामिल कई वित्त प्रौद्योगिकी कंपनियों ने अधिकतम राशि वज़ीरएक्स एक्सचेंज में स्थांतरित कर दी है। साथ ही इस तरह खरीदी गई क्रिप्टो-परिसंपत्तियों को अज्ञात विदेशी खातों में स्थांतरित कर किया गया है। ईडी ने वज़ीरएक्स

पर असहयोगी व्यवहार करने के कम से कम चार मामलों में आरोप लगाया है, जिसने उसे तत्काल ऋण ऐप के खतरे के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए मजबूर किया।

टाइटन ने जून तिमाही में 790 करोड़ का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली । त्योहार के कारण मजबूत मांग से आभूषण और घड़ी कंपनी टाइटन लिमिटेड का मुनाफा जून में समाप्त पहली तिमाही में उछलकर 790 करोड़ रुपए पहुंच गया। टाटा समूह की कंपनी ने शेयर बाजारों को दी एक सूचना में कहा कि एक साल पहले अप्रैल-जून तिमाही में उसने 18 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। टाइटन की कुल आय बीती तिमाही में 9,487 करोड़ रुपए रही। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की समान अवधि में यह आंकड़ा 3,519 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष 2022-23 की आलोच्य तिमाही में कंपनी का कुल खर्च भी बढ़कर 8,415 करोड़ रुपए हो गया। पिछले साल इसी तिमाही में उसका खर्च 3,480 करोड़ रुपए था।

गोल्ड ने लगाई लंबा छलांग, एक हफ्ते में पहुंचा 52 हजार के पार

नई दिल्ली । गोल्ड ने लंबी छलांग लगाते हुए लगातार तीसरे सप्ताह रिकॉर्ड तेजी बनाई। इस सप्ताह गोल्ड का रेट 52 हजार के पार चला गया। एक बार फिर से हफ्ते के आखिरी दिन गोल्ड रेट में उछाल आया और ये तेजी से ऊपर की तरफ भागा। भारतीय सर्राफा बाजार में इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार (5 अगस्त) को सोने का रेट 52,140 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। पिछले हफ्ते के आखिरी दिन यह 51,623 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस सप्ताह के पहले दिन गोल्ड के रेट में गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन आखिरी दो दिनों में रेट तेजी से ऊपर की तरफ भागे हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, सोना सोमवार (1 अगस्त) को 51,405 रुपये प्रति 10 ग्राम पर क्लोज हुआ था। मंगलवार को रेट में इजाफा हुआ और फिर ऊपर की तरफ बढ़ता ही चला गया। बुधवार को गोल्ड का रेट 51,486 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। गुरुवार को यह 51,815 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। शुक्रवार को सोने का भाव 52 हजार के पार चला गया और यह 51,140 रुपये प्रति 10 ग्राम पर क्लोज हुआ। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट वाले सोने का दाम 5 अगस्त को अधिकतम 52,140 रुपये रहा। जबकि 22 कैरेट सोने का भाव 51,931 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। सभी तरह के गोल्ड के रेट की गणना टैक्स के बिना की गई है। सोने पर जीएसटी शुल्क अलग से देना पड़ता है। अगर आप सोने का गहना खरीदते हैं, तो उसपर टैक्स के बाद मेकिंग चार्ज भी लगता है। इस वजह कीमतें अधिक होती हैं।

वैश्विक एसयूवी बाजार में नए अवतार में पेश होने को तैयार फॉर्च्यूनर

नई दिल्ली ।

प्रतिष्ठित वाहन निर्माता जापान की कंपनी टोयोटा अपनी शानदार एसयूवी फॉर्च्यूनर को नए अंदाज में लेकर आने वाली है। आने वाले महीनों में कंपनी फॉर्च्यूनर को ग्लोबल मार्केट में पेश कर सकती है। इसके बाद अगले साल तक नई फॉर्च्यूनर-2023 की भारतीय मार्केट में एंट्री होने की उम्मीद है। फिलहाल टोयोटा भारतीय मार्केट में अर्बन क्रूजर हाई राईडर लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसके बाद हो सकता है कि कंपनी नई फॉर्च्यूनर को मार्केट में पेश करे। हालांकि, टोयोटा ने थाईलैंड में लीडर मॉडल पेश कर दिया है। नया मॉडल नए इंजन विकल्प के साथ बिल्कुल नए डिजाइन और अपग्रेडेड केबिन के साथ आएगा। जापान की मोटर कंपनी भारतीय मार्केट में हर सेगमेंट में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश में जुटी है। फॉर्च्यूनर के अपडेटेड वैरिएंट को पहली बार भारत में 2015 में पेश किया था। 7 सीटर रेंज में अपडेट भी देखा गया था, क्योंकि जीआर-एस और लेजेंडर 4गुना4 जैसे वेरिएंट आ चुके थे। नई जेनरेशन की टोयोटा फॉर्च्यूनर के डिजाइन में थोड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। कंपनी इसके फ्रंट लुक को थोड़ा मौजूदा वेरिएंट से अलग बना सकती है। नई फॉर्च्यूनर में हाइब्रिड तकनीक के साथ 2.8-लीटर जीएस सीरीज के डीजल इंजन को जोड़ा जा सकता है। कंपनी इसके इंटीरियर में भी बदलाव कर सकती है।

खबरों की मानें तो नई फॉर्च्यूनर में पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग, 360-डिग्री कैमरा, एडीएएस और शानदार सेफ्टी फीचर्स मिल सकते हैं। कंपनी रिडिजाइन डैशबोर्ड दे सकती है। इसके अलावा बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं।नई जेनरेशन की टोयोटा फॉर्च्यूनर में स्किड प्लेट, रेक्ड फ्रंट विंडशील्ड, क्रोमेड विंडो लाइन के साथ 18 इंच के अलॉय व्हील्स देखने को मिल सकते हैं। साथ ही इसमें एलईडी हेडलाइट्स, जीआर फ्रंट और रियर बंपर, फ्रंट और साइड लोगो भी मिलेगा।कंपनी इसे स्टाइलिस लुक देने के लिए इसमें एक बड़ा ग्रीनहाउस, बड़ा क्वार्टर ग्लास, ग्रे फिनिश वाली रूफ रेल जोड़ सकती है। साथ ही नए मॉडल में एक इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर (आईएसजी) मिलने की संभावना भी है। पिछले साल के अंत में टोयोटा ने फॉर्च्यूनर के लाइनअप में लीजेंडर के 4गुना4 एडिशन को जोड़ा था। हाल ही में कंपनी ने 7 सीटर एसयूवी की कीमतों में बढ़ोतरी की थी। टोयोटा फॉर्च्यूनर एसयूवी के भारत में आठ वेरिएंट्स उपलब्ध हैं। 7 सीटर एसयूवी फॉर्च्यूनर में 2755 सीसी तक का इंजन लगा है। ये पेट्रोल और डीजल दोनों तरह के ऑप्शन में आती है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार एक फीसदी बढ़त लेकर बंद हुए

- सेंसेक्स 89.13 अंक बढ़कर 58,387.93 पर बंद , निफ्टी 15.50 अंक बढ़कर 17,397.50 पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार 5 अगस्त को समाप्त हुए सप्ताह में एक फीसदी से ज्यादा बढ़त लेकर बंद हुए। सप्ताह की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई। वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेत, कंपे नियों के अच्छे नतीजों, बेहतर ऑटो सेल्स के आंकड़े और विदेशी निवेशकों की खरीदारी लौटने की वजह से इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद तेजी देखी गई। सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 274.02 अंक चढ़कर 57,844.27 पर खुला और 545.25 अंक चढ़कर 58,115.50 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 86.55 अंक बढ़कर 17,244.80 पर पर खुला और 181.80 अंक की तेजी के साथ 17,340.05 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 205.04 अंक टूटकर 57,910.46 पर खुला और 58,328.41 अंक गिरकर 57,744.70 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 71.85 अंक के नुकसान से 17,268.20 पर खुला और 5.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 17,345.45 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स करीब 69.26 अंक टूटकर 58,067.10 पर खुला और 58,415.63 अंक गिरावट के साथ 57,788.78 पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 37.45 अंक के नुकसान से 17,308 पर खुला और 42.70 अंक की तेजी के साथ 17,388.15 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 300 अंक उछल कर 58676.31 पर खुला और 51.73 अंक की गिरावट के साथ 58,298.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 100 सौ अंकों की तेजी के साथ 17480 पर खुला और 6.15 अंक की गिरावट के साथ 17,382 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 227.89 अंक की बढ़त के साथ 58,526.69 पर खुला और 89.13 अंक बढ़कर 58,387.93 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 64.35 अंक के लाभ से 17,446.35 पर खुला और 15.50 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की हल्की बढ़त के साथ 17,397.50 पर बंद हुआ।

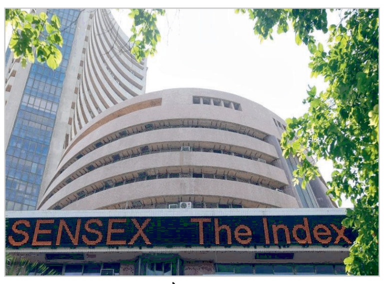

गोदरेज कंज्यूमर ने अपने शेयरधारकों को 21,000 फीसदी रिटर्न दिया

नई दिल्ली ।

गोदरेज कंज्यूमर 2001 में बाजार में सूचीबद्ध हुई थी। इसने तब से अब तक अपने शेयरधारकों को 21,000 फीसदी का रिटर्न दिया है। भले ही पिछले एक साल में इसके शेयर कुछ नीचे आए हों लेकिन इस दौरान कई ऐसे फैक्टर रहे जिसकी वजह से लगभग पूरा मार्केट ही ध्वस्त हो गया। ऐसे में किसी भी शेयर का पूरी तरह से बचना आसान नहीं था। इसके बावजूद एक साल में इस शेयर में कोई बहुत बड़ी गिरावट नहीं आई। यह शेयर शुक्रवार को 2.29 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। फिलहाल इसकी कीमत 874 रुपए प्रति शेयर है। पिछले एक महीने की तो इसमें 0.68 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं पिछले एक साल में यह शेयर 10 फीसदी लुढ़का है। हालांकि, 5 साल की अवधि में इसने अपने निवेशकों को 45.70 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 10 साल में तो यह शेयर 311 फीसदी बढ़ा है। कंपनी ने अपनी लिस्टिंग के बाद से 21 साल में अपने निवेशकों को 21,217 फीसदी का रिटर्न दिया है।

आरबीआई की नीति से बाजारों में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी- बैंकर

- रेपो दर महामारी से पहले के स्तर 5.15 प्रतिशत के पार

मुंबई ।

देश के प्रमुख बैंकरों ने कहा है कि रिजर्व बैंक की तरफ से नीतिगत दर में बढ़ोतरी से मुद्रास्फीति को काबू में करने और रुपए की गिरावट रोकने में मदद मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को प्रमुख ब्याज दर रेपो को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 5.40 प्रतिशत कर दिया। यह मई के बाद से तीसरी वृद्धि है। ताजा वृद्धि के साथ रेपो दर या अल्पकालिक उधारी दर महामारी से पहले के स्तर 5.15 प्रतिशत को पार कर गई है। रेपो दर पर ही वाणिज्यिक बैंक केंद्रीय बैंक से उधार लेते हैं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि इस कदम से मुद्रास्फीति को नीचे लाने और बाजारों में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। एचडीएफसी बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री अभीक बरुआ ने नीतिगत फैसले को नए वैश्विक रुझानों के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने मुद्रास्फीति के प्रति आक्रामक रुख अपनाया, जो अभी भी ऊंची बनी हुई है। हालांकि, वृद्धि की गति काफी सकारात्मक है। बरुआ ने उम्मीद जताई कि केंद्रीय बैंक आगामी नीतिगत समीक्षा बैठकों में दरों में बढ़ोतरी जारी रखेगा और साल के अंत तक ब्याज दर को 5.75 प्रतिशत तक ले जाएगा। एसबीआई समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष के अनुसार यह दर वृद्धि तीन संभावनाओं को दर्शाती है। पहली, पिछली 0.50 प्रतिशत वृद्धि का अभी तक मुद्रास्फीति पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ा है और लंबी अवधि में मुद्रास्फीति प्रभावित होगी। दूसरी, आरबीआई इस समय मुद्रास्फीति में कमी का पूर्वानुमान नहीं लगाना चाहता क्योंकि वह अनिश्चित वैश्विक वातावरण में वक्र से आगे रहना चाहता है।

तीसरा, 0.50 प्रतिशत की यह वृद्धि एक संकेत है कि आरबीआई घरेलू मुद्रा की रक्षा के लिए अधिक गंभीर है।

सरकार वर्ष 2021-22 के लिए चीनी निर्यात कोटा में ढील देगी

- 12 लाख टन अधिक निर्यात की मिलेगी अनुमति

नई दिल्ली ।

सरकार चीनी निर्यात पर एक करोड़ टन के मात्रात्मक प्रतिबंध में ढील देगी और सितंबर को समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष में अतिरिक्त 12 लाख टन निर्यात खेप को अनुमति प्रदान करेगी। मई के ओ खिरी में केंद्र ने चीनी की घरेलू उपलब्धता और मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए विपणन वर्ष 2021-22 (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी निर्यात को एक करोड़ टन पर सीमित रखने का फैसला किया था। चीनी मिलों ने चालू विपणन वर्ष में अब तक लगभग एक करोड़ टन चीनी का निर्यात किया है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। उद्योग की मांग रही है कि निर्यात सीमा बढ़ाई जानी चाहिए। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने कहा कि सरकार और 12 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति देगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही अधिसूचना जारी की जाएगी। विपणन वर्ष 2020-21 में चीनी का निर्यात 70 लाख टन रहा, जो पिछले वर्ष के 59.6 लाख टन से अधिक है। खाद्य मंत्रालय ने इस सप्ताह के आरंभ में एक बयान में कहा था कि मौजूदा चीनी सत्र 2021-22 में एक अगस्त 2022 तक लगभग 100 लाख टन (एक करोड़ टन) चीनी का निर्यात किया गया है और निर्यात के 112 लाख टन का स्तर छूने की संभावना है। उद्योग निकाय भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने अनुमान लगाया है कि इथेनॉल

निर्माण के लिए गन्ने का इस्तेमाल बढ़ने के कारण भारत का चीनी उत्पादन अक्टूबर से शुरू होने वाले विपणन वर्ष 2022-23 में थोड़ा घट सकता है। सितंबर को समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष में चीनी का उत्पादन 3.6 करोड़ टन होने का अनुमान है।

इंडियन बैंक ने एफडी पर ब्याज दर बढ़ाई

- बैंक ने यह वृद्धि केवल एक साल की मैच्योरिटी अवधि वाली एफडी के लिए की है

नई दिल्ली ।

इंडियन बैंक ने 2 करोड़ रुपए से कम के फिक्स्ड डिपॉजिट्स पर ब्याज दर को बढ़ा दिया है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार नई दरें 4 अगस्त 2022 से लागू हो गई हैं। गौरतलब है कि इंडियन बैंक ने यह वृद्धि केवल एक साल की मैच्योरिटी अवधि वाली एफडी के लिए की है। बैंक फिलहाल 7 दिनों से 5 साल की एफडी की पेशकश करता है। अब इंडियन बैंक के आम ग्राहकों को 2.80 फीसदी से 5.60 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.30 फीसदी से 6.10 फीसदी तक का ब्याज मिलेगा। साथ ही बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट, शॉर्ट टर्म डिपॉजिट और मनी मल्टीप्लायर पर 10 करोड़ से अधिक की राशि पर सालाना 0.50 प्रतिशत का अतिरिक्त ब्याज देगा। इंडियन बैंक के अनुसार वर्तमान ब्याज दर एनआरई टर्म डिपॉजिट, टैक्स सेवर स्कीम और कैपिटल गैन स्कीम पर भी लागू होगी। इंडियन बैंक अब 7 से 29 दिन के एफडी पर 2.80 फीसदी और 30 दिन से 45 दिन के एफडी पर 3 फीसदी का ब्याज देगा। बैंक 45 से 90 दिनों के एफडी पर 3.25 फीसदी और 91 से 120 दिन की एफडी पर 3.50 फीसदी का ब्याज देगा। 121 से 180 दिनों के एफडी पर 3.75 फीसदी और 181 दिनों से 9 महीने की एफडी के लिए ग्राहकों को 4 फीसदी का ब्याज मिलेगा। इंडियन बैंक 9 महीने से लेकर एक साल से कम की समयावधि के लिए 4.40 फीसदी और एक साल से 5 वर्ष तक की एफडी पर 5.30 फीसदी ब्याज देने का फैसला किया है। ग्राहकों को 1 से 2 साल तक के लिए एफडी पर 5.40 फीसदी 2 से 3 साल की एफडी पर 5.50 फीसदी और 3 से 5 साल की एफडी पर 5.60 फीसदी का ब्याज मिलेगा। गौरतलब है` कि उपरोक्त सभी ब्याज दरों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त 0.50 फीसदी का ब्याज जोड़ा जाएगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.4 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के फिर से भारतीय बाजार की ओर रुख से देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी देखी गई है। 29 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.4 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इससे पहले लगातार चार सप्ताह तक इसमें कमी हुई थी। 29 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान शेयर बाजार में लगभग हर रोज तेजी रही। उस सप्ताह फॉरेन पोर्टफोलियो इंस्वेस्टर्स (एफआईआई) नेट इनवेस्टर थे। रिजर्व बैंक के अनुसार 29 जुलाई 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 573.875 अरब डॉलर पर पहुंच गया। बीते 15 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 7.541 अरब डॉलर घटा था। यदि 22 जुलाई को समाप्त सप्ताह की बात करें तो यह 571.5 अरब डॉलर पर था। आठ जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान, विदेशी मुद्रा भंडार 8.062 अरब डॉलर घटकर 580.252 अरब डॉलर रह गया था। इसी महीने एक जुलाई को भी विदेशी मुद्रा भंडार 5.008 अरब डॉलर घटा था। उस समय अपना विदेशी मुद्रा भंडार 588.314 अरब डॉलर पर था।

29 जुलाई को विदेशी मुद्रा भंडार में जो बढ़ोतरी हुई, उसमें फॉरेन करेंसी असेट का बढ़ना भी शामिल है। यह कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अलावा स्वर्ण आरक्षित भंडार बढ़ने से भी विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 1.140 अरब डॉलर बढ़ कर 39.642 अरब डॉलर पर पहुंच गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास जमा विशेष आहरण अधिकार भी 2.2 करोड़ डॉलर बढ कर 17.985 अरब डॉलर पर चला गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार भी 3.1 करोड़ डॉलर बढ़ कर 4.991 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया है : मोदी

नयी दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलवान मोहित ग्रेवाल को बर्मिंघम में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने पर शनिवार को बधाई दी और कहा कि भारतीय पहलवानों ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। ग्रेवाल ने पुरुषों के 125 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। इस तरह से भारत ने शुक्रवार को प्रत्येक भार वर्ग में पदक हासिल किया। उसने तीन स्वर्ण पदक सहित कुल छह पदक जीते। मोदी ने ट्वीट करके कहा- हमारे पहलवानों ने बेहतरीन फॉर्म दिखाई है। मोहित ग्रेवाल ने पदक विजेताओं में अपना नाम लिखवाया है। उनकी एकाग्रता लाजवाब थी और उन्होंने देश को कांस्य पदक दिलाया। उन्हें बधाई। उम्मीद है कि आने वाले समय में वह सफलताओं के नए मुकाम हासिल करेंगे।

सीडब्ल्यूजी 2022: पहलवान दीपक पुनिया ने पाकिस्तानी खिलाड़ी को पस्त कर जीता गोल्ड

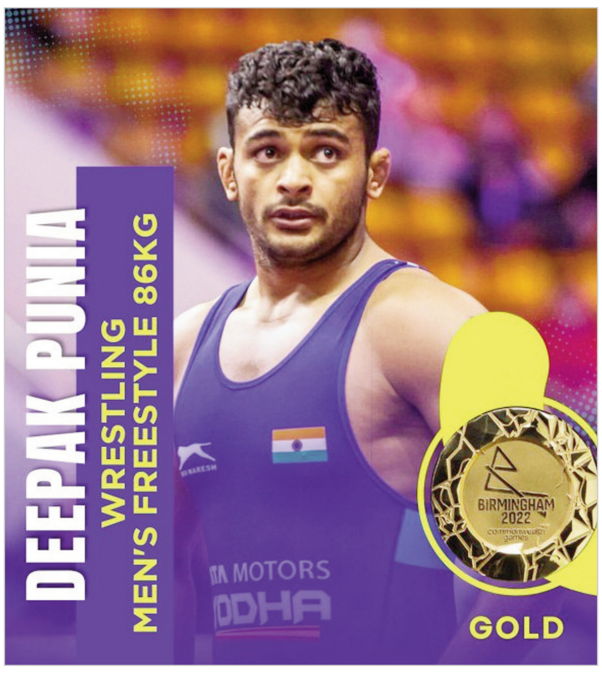

बर्मिंघम। (एजेंसी)

विश्व जूनियर चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक पुनिया ने शुक्रवार को 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती में भारत का तीसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने फाइनल में पाकिस्तान के इनाम मलिक को हराया। दीपक पुनिया ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने के लिए अंकों के आधार पर 3-0 से जीत हासिल की। यह कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के पहलवानों के बीच एक मुकाबला था, लेकिन पुनिया ने अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। स्कोरिंग के मौके कम थे क्योंकि पाकिस्तानी पहलवान पूरी तरह से रक्षात्मक था। उन्होंने अपने बाएं पैर को घुटने पर बांध रखा था और इसे किसी भी हमले से दूर रखना चाहते थे। दीपक ने पहले पीरियड में ही बढ़त बना ली और मलिक को बाउट जोन के ठीक बाहर ले आए। पाकिस्तानी पहलवान को निष्क्रियता के लिए एक अंक का दंड भी दिया गया, जिससे पुनिया को पहली अवधि के अंत में 2-0 की बढ़त मिल गई। पुनिया ने अंत की अवधि में बाउट में कुछ जान डालने की कोशिश की क्योंकि उन्होंने कुछ रणनीति की कोशिश की लेकिन पाकिस्तानी पहलवान ने अच्छी तरह से बचाव किया। दूसरी अवधि में, जैसे ही मुकाबला समाप्त हुआ, पुनिया ने एक और अंक बढ़ा किया।

घड़ी विवाद पर एफआईएच ने माफी मांगी, सेमीफाइनल में हारी थी भारतीय महिला टीम

बर्मिंघम । (एजेंसी)

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के दौरान घड़ी से जुड़े विवाद पर माफी मांगी और कहा कि वह इस घटना की पूरी समीक्षा करेगा। पेनल्टी शूटआउट के दौरान अपना पहला प्रयास चूकने वाली ऑस्ट्रेलिया की रोजी मेलोन को एक और मौका दिया गया क्योंकि स्कोरबोर्ड पर 8 सेकंड की उलटी गिनती शुरू नहीं हुई थी। मेलोन दूसरा मौका मिलने पर नहीं चुकी और उन्होंने अपनी टीम को बढ़त दिला दी। भारत ने सेमीफाइनल का मुकाबला आखिर में शूटआउट में 0-3 से गंवाया। दोनों टीमें नियमित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। दर्शकों ने भी तकनीकी अधिकारियों के फैसले पर रोष जताया था। एफआईएच ने बयान में कहा कि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऑस्ट्रेलिया और भारत की महिला टीमों के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच के दौरान शूटआउट गलती से बहुत जल्दी शुरू हो गया था (तब घड़ी संचालित होने के लिए तैयार नहीं थी) जिसके लिए हम माफी मांगते हैं। बयान में आगे कहा गया है कि इस तरह की परिस्थिति में दोबारा पेनल्टी शूटआउट लेने की प्रक्रिया है और ऐसा किया भी गया। एफआईएच इस घटना की पूरी जांच करेगा ताकि भविष्य में इस तरह के मसलों से बचा जा सके।

किर्गियोस ओर रुबलेव सेमीफाइनल में पहुंचे

वाशिंगटन । ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस सिटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। किर्गियोस ने क्वार्टर फाइनल में तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में फ्रांसिस टिफोउ को 6-7 (6-7), 7-6 (14-12), 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। वहीं एक अन्य मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने भी मैक्सिम क्रेसी को 6-4, 7-6 (8) से हराया और फिर वाइल्ड कार्डधारी अमेरिका के जेजे वुल्फ 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम चार में स्थान बनाया। दूसरी ओर महिला वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त विक्टोरिया अजारेंका को दिन के अपने दूसरे मैच में जियू वांग के हाथों 6-1, 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक अन्य मैच में ऑस्ट्रेलिया की डारिया सैविल ने रेबेका मारिनो को 6-1, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी जबकि अलावा छठी वरीयता प्राप्त काया कानेपी ने दो घंटे 33 मिनट तक चले मैच में अन्ना कालिंस्काया को 6-7 (4), 6-4, 6-3 से हराया।

अविनाश सेबल ने 3000 मीटर स्टेपलचेज में जीता सिल्वर मेडल

(एजेंसी)

कॉमनवैल्थ गेम्स 2022 के 3000 मीटर स्टेपलचेज फाइनल में भारतीय रनर अविनाश सेबल ने सिल्वर मेडल जीत लिया है। अविनाश से पहले गैर-कीनियाई खिलाड़ी हैं जिन्होंने 1986 के बाद इस स्पर्धा में मेडल जीता है। शनिवार को रेस के दौरान पहले और तीसरे नंबर पर भी केन्या के एथलीट्स रहे। कोडकेन अब्राहम ने जहां 8.11.15 का समय निकाल गोल्ड जीता तो वहीं, आमोस सेरेम ने 8.16.83 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। 2020 के ग्रीष्मकालीन ओलिम्पिक में सेबल ने हीट में सातवें स्थान पर, 8.18.12 पर एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। वह सभी हीट में सबसे तेज नॉन-क्वालीफायर थे। 2022 में सेबल ने 2 और राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए, पहले भारतीय ग्रां प्री (8.16.21) में और फिर रबात (8.12.48) में वह 5वें स्थान पर रहे। सेबल का जन्म 13 सितंबर 1994 को महाराष्ट्र के बीड जिले के मांडवा में एक किसान परिवार में हुआ था। छह साल की उम्र से वह घर और स्कूल के बीच 6 किमी (3.7 मील) की दूरी तय करते थे। उनके गांव में तब आने जाने का कोई साधन नहीं था। 12वीं कक्षा

पूरी करने के बाद वह भारतीय सेना की 5 महार रेजिमेंट में शामिल हो गए। 2013-2014 में वह सियाचिन ग्लेशियर में तैनात हुए फिर उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तान में भी रहे।

संक्षिप्त समाचार

निक किर्गियोस संघर्षपूर्ण जीत से सिटी ओपन के सेमीफाइनल में

वाशिंगटन। विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में फ्रांसिस टिफोउ को हराकर सिटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले रेली ओपेल्का को बारिश से प्रभावित मैच में हराने वाले किर्गियोस ने टिफोउ को 6-7 (6-7), 7-6 (14-12), 6-2 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने भी दो मैचों में जीत हासिल की। उन्होंने पहले मैक्सिम क्रेसी को 6-4, 7-6 (8) से हराया और फिर वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले अमेरिकी जेजे वुल्फ 6-2, 6-3 से पराजित करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त विक्टोरिया अजारेंका दिन के अपने दूसरे मैच में जियू वांग से 6-1, 6-3 से हार गईं। ऑस्ट्रेलिया की डारिया सैविल ने रेबेका मारिनो को 6-1, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त काया कानेपी ने दो घंटे 33 मिनट तक चले मैच में अन्ना कालिंस्काया को 6-7 (4), 6-4, 6-3 से हराया।

कोलिम्बिया में दौड़ रहे एथलीट का गुप्तांग निक्कर से बाहर निकला, रेस हारा

(एजेंसी) । अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 400 मीटर की दौड़ में शामिल हो रहे इटली के 18 वर्षीय अल्बर्टो नॉनिनो को तब शर्मनाक स्थिति से गुजरना पड़ा जब दौड़ते समय पहनी निक्कर से उनका गुप्तांग बाहर आ गया। नॉनिनो पूरी रेस में स्थिति नियंत्रित करने में लगे रहे जिसके कारण गेम से उनका ध्यान हट गया और 51.57 सेकंड के समय के साथ अंतिम स्थान पर रहे। हालांकि अल्बर्टो नॉनिनो ने रेस की अच्छी शुरूआत की थी। वह पहले 100 मीटर तक लीड करते हुए नजर आ रहे थे लेकिन तभी उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वह लगभग पूरी रेस अपनी निक्कर पकड़कर भागते दिखे। कुछ सैकेंड के लिए दर्शकों के अलावा कांमेंटेटर भी कुछ समझ नहीं पाए। लेकिन जब नॉनिनो की गति कम हो गई तो सबका ध्यान उनके हाथ की ओर गया जिससे उन्होंने निक्कर पकड़ रखी थी। खेल पत्रकार डेविड सांचेज डी कास्त्रो ने घटनाक्रम की वीडियो शेयर करते हुए लिखा- अल्बर्टो नॉनिनो का गुप्तांग उनके शॉर्ट्स से बाहर निकल गया। इस घटना ने उन्हें रेस के दौरान ठीक से दौडने नहीं दिया। 18 वर्षीय एथलीट ने इस मुद्दे से निपटने की कोशिश की लेकिन यह उसके पक्ष में नहीं गया। देखें वीडियो- नोनिनो ने घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने साफ तौर पर इस घटना को एक हादसा बताया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा- मैं आप लोगों से ब्लॉग और सोशल मीडिया पर चल रही बात संबंधी थोड़ी बात करना चाहता हूं। मुझे पता है कि यह स्पष्ट रूप से एक दुर्घटना थी और मैं आपको बताना चाहता हूं कि मुझे इसके बारे में पता है और आपको मुझे ब्लॉग के लिंक भेजने की आवश्यकता नहीं है। अब पूरी स्थिति मजाकिया लग रही है। हालांकि मैच खत्म होने के बाद यह भयानक थी। परिवार और दोस्त ने इस घटना से उनके उबरने में मदद की।

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप: सेल्वा पी थिरुमारन को रजत

कैली (कोलंबिया) । (एजेंसी)

भारतीय त्रिकूद खिलाड़ी सेल्वा पी थिरुमारन ने विश्व अंडर20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। भारत के 17 वर्षीय खिलाड़ी ने 16.15 मीटर की कूद लगाई और वह एस्तोनिया के विक्टर मोरोजोव से दो सेंटीमीटर आगे रहे। स्वर्ण पदक जमैका के जेडॉन हिबर्ट को मिला जिन्होंने अपने 17.27 मीटर प्रयास से चैम्पियनशिप का नया रिकॉर्ड बनाया। थिरुमारन ने अपने दूसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रजत पदक हासिल किया। इस बीच भारतीय महिला रिले टीम ने चार गुणा 400 मीटर के फाइनल में जगह बनाई। सुमी, प्रिया हब्बाथनहल्ली मोहन, रजिता कुंजा और रूपल की चौकड़ी ने 3 मिनट 34.18 सेकंड का समय लिया और वह कुल चौथे स्थान पर रही। ओलिम्पिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने 2016 में पोलैंड में यह कारनामा किया था। इस प्रतियोगिता को पहले विश्व जूनियर चैंपियनशिप के नाम से जाना जाता था। भारतीय एथलीटों ने अभी तक 3 पदक अपने नाम कर लिए हैं जिसमें दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। भारत ने पिछली बार 2021 में नैरोबी में खेली गई चैंपियनशिप में भी दो रजत और एक कांस्य पदक सहित तीन पदक जीते थे।

पाक भाला फेंक खिलाड़ी अरशद को आ रही नीरज की याद

बर्मिंघम । यहां राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग ले रहे पाकिस्तान के भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की याद आ रही है। अरशद ने कहा कि उन्हें इन खेलों में नीरज के साथ प्रतिस्पर्धा की कमी महसूस होगी क्योंकि वे एक परिवार का हिस्सा हैं। ओलंपिक में भी वह नीरज के साथ थे जिसमें नीरज ने स्वर्ण जीता था। इसके बाद पिछले माह विश्व चैंपियनशिप में नीरज ने रजत जीता था जबकि अरशद इसमें पांचवें स्थान पर रहे थे। नीरज इस बार फिट नहीं होने के कारण राष्ट्रमण्डल खेलों से बाहर हैं। ऐसे में अरशद के ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स के साथ पोडियम पर रहने की उम्मीद है। पीटर्स स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार हैं जिन्होंने हाल में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। अरशद ने कहा, 'नीरज मेरे लिए भाई की तरह हैं। मुझे यहां उसकी कमी खल रही है। उनके जल्द ठीक होने की उम्मीद करता हूं जिससे मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिले।' अरशद 2016 में गुवाहाटी में हुए दक्षिण एशियाई खेलों में भी नीरज से मिले थे और इनकी दोस्ती शुरु हुई थी। चार साल पहले जब एशियाई खेलों में नीरज ने स्वर्ण पदक जीता था तब अरशद को कांस्य पदक मिला था।

वेन पार्नेल ने निकाले 5 विकेट, दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड से टी-20 सीरीज जीती

ब्रिस्टल । हेनरिक क्लासेन के 39 रन और वेन पार्नेल के पांच विकेट से दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 44 रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 182 रन बनाए। उसकी तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 42 रन का योगदान दिया। इसके जवाब में आयरलैंड की टीम 18.5 ओवर में 138 रन पर आउट हो गई। हेंड्रिक्स को 12वें ओवर की पहली गेंद पर गैरेथ डेलानी ने बोल्ड किया और इस स्पिनर ने दो गेंद बाद एडेन मार्कराम (27) को भी पवेलियन भेजा। इसके बाद क्लासेन और कप्तान डेविड मिलर ने पांचवें विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। मिलर ने नाबाद 32 रन बनाए जिसमें 3 छक्के शामिल हैं। आयरलैंड इसके जवाब में शुरू में ही लडखड़ा गया। उसकी तरफ से हैरी टेक्टर ने सर्वाधिक 34 रन बनाए जबकि बैरी मैकार्थी ने 19 गेंदों पर 32 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए पार्नेल ने 30 रन देकर 5 और ड्वेन प्रिटोरियस ने 33 रन देकर 3 विकेट लिए।

फीफा ने AIFF पर प्रतिबंध लगाने और महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी छीनने की धमकी दी

नयी दिल्ली ।(एजेंसी)

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने तीसरे पक्ष के प्रभाव के कारण अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर प्रतिबंध लगाने और अक्टूबर में होने वाले महिला अंडर-17 विश्वकप की मेजबानी छीनने की धमकी दी है। ऐसा उसने उच्चतम न्यायालय के राष्ट्रीय महासंघ के चुनाव करवाने के निर्देश देने के कुछ दिन बाद किया है। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एआईएफएफ की कार्यकारी समिति को प्रशासकों की समिति के द्वारा तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार चुनाव कराने का निर्देश दिया था। प्रशासकों की समिति अभी राष्ट्रीय महासंघ का संचालन कर रही है। भारत को 11 अक्टूबर से फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी करनी है। चुनाव 28 अगस्त को करवाए जाएंगे और चुनाव प्रक्रिया 13 अगस्त से शुरू हो जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने प्रशासकों की समिति द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम को स्वीकार कर लिया है। फीफा ने एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव सुनंदो धर को भेठुजे गए पत्र में कहा- हम एआईएफएफ से अनुरोध करते हैं कि वह हमें उच्चतम न्यायालय के तीन अगस्त 2022 के फैसले की आधिकारिक प्रतिलिपि नौ अगस्त 2022 को भारतीय समयानुसार शाम पांच बजे तक उपलब्ध कराए।

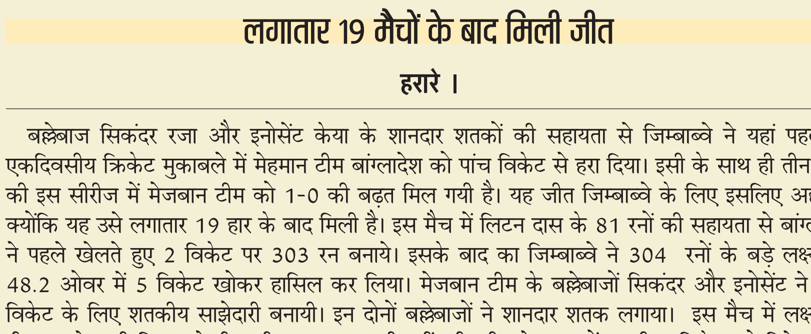

पत्र में आगे कहा गया है- उपरोक्त दस्तावेज के प्राप्त होने और उसके गहन विश्लेषण करने के बाद हम फीफा के कानूनों के अनुसार आगे के संभावित फैसलों के लिए इसे अपने निर्णय लेने वाले निकाय को भेजेंगे। संभावित फैसलों में एआईएफएफ का निलंबन और भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी के अधिकारों को वापस लेना भी शामिल है। फीफा ने बताया कि वह अपनी सदस्य इकाइयों के संचालन में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के खिलाफ है। फीफा ने कहा- इस संदर्भ में हम एआईएफएफ को फीफा और एएफसी सदस्य संघों पर लागू वैधानिक दायित्वों को याद कराना चाहेंगे, जिसमें स्वतंत्र रूप से अपने मामलों का प्रबंधन करने की बाध्यता शामिल है और यह सुनिश्चित करना है कि उसके अपने मामले किसी तीसरे पक्ष से प्रभावित नहीं हैं।

रजा और इनोसेंट के शतकों से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को हराया

लगातार 19 मैचों के बाद मिली जीत

हरारे ।

बल्लेबाज सिकंदर रजा और इनोसेंट केया के शानदार शतकों की सहायता से जिम्बाब्वे ने यहां पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मेहमान टीम बांग्लादेश को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन मैचों की इस सीरीज में मेजबान टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी है। यह जीत जिम्बाब्वे के लिए इसलिए अहम है क्योंकि यह उसे लगातार 19 हार के बाद मिली है। इस मैच में लिटन दास के 81 रनों की सहायता से बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए 2 विकेट पर 303 रन बनाये। इसके बाद का जिम्बाब्वे ने 304 रनों के बड़े लक्ष्य को 48.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मेजबान टीम के बल्लेबाजों सिकंदर और इनोसेंट ने चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी बनायी। इन दोनों बल्लेबाजों ने शानदार शतक लगाया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 62 रनों पर ही 3 विकेट खो दिये। इसके बाद नंबर-3 पर उतरे इनोसेंट और रजा ने चौथे विकेट के लिए 192 रन की बड़ी साझेदारी निभाई। इनोसेंट 110 रन बनाकर आउट हुए जबकि रजा 135 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले बांग्लादेश की ओर से लिटन 89 गेंद पर 81 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। लिटन के अलावा कप्तान तमीम इकबाल ने 62, एनामुल हक ने 73 और मुशफिकुर रहीम ने 49 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाए। वहीं महमूदुल्लाह 20 रन बनाकर नाबाद रहे। रजा ने गेंदबाजी के दौरान भी एकविकेट लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैंडी ने दी पानी बचाने की सीख

कैंडी कौवी बहुत नटखट थी। वह अपनी दादी रीवा की लाडली थी। उसे दादी से कहानी सुनना बहुत पसंद था। एक दिन दादी उसे अपने पुरखों की कहानी सुनाते हुए बोलीं, 'बेटी, बहुत पहले की बात है। एक कौवा प्यासा होने पर पानी की तलाश में घूम रहा था। तभी उसे एक घड़ा नजर आया। उसने झांककर देखा, तो उसमें पानी था, लेकिन काफी कम था। यह देखकर उसने पानी में कुछ कंकड़-पत्थर डाले जिससे पानी ऊपर आ गया और उसने अपनी प्यास बुझाई।' कहानी सुनकर कैंडी बोली, 'दादी, इतने सारे पत्थर डालते-डालते तो वह कौवा बहुत थक गया होगा।' दादी बोलीं, 'बेटी, लेकिन उसने अपनी प्यास तो बुझा ली न! हमारे सामने कभी ऐसी समस्या आती है, तो हम भी इसी तरीके से अपनी प्यास तो बुझा सकते हैं।'

कैंडी बोली, 'दादी, आप तो अब भी पुराने जमाने की ही बातें करती हैं। हम आखिर कब तक पानी में कंकड़-पत्थर डाल कर अपनी प्यास बुझाते रहेंगे? अब समय आ गया है कि कोई नया तरीका सोचा जाए, जिसमें ज्यादा समय और मेहनत भी न लगे और हम पानी भी पी लें।' उसकी बातें सुनकर दादी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोलीं, 'चलो, देखती हूं कि क्या तुम कभी ऐसा कोई नायाब तरीका सोच पाओगी? खैर, अभी तो हमें पानी की कोई परेशानी नहीं है। नंदनवन में चारों ओर हरियाली है। यहां के तालाब साफ-स्वच्छ पानी से हमेशा भरे रहते हैं।'

कैंडी बोली, 'दादी, नंदनवन में तो सब ठीक है, पर पता है, आजकल इनसानों की बस्ती में पानी की बहुत कमी हो गई है। हमारी साइंस की मैडम पिंटी कौवी हमें कल बता रही थीं कि गर्मी के मौसम में इंसानों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बहुत सारे इंसान तो पानी के लिए आपस में लड़ाई भी कर रहे हैं।' कैंडी की बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। वह बोलीं, 'हां कैंडी, मैंने कल टीवी में भी ऐसा ही कुछ देखा था। इंसानों की बस्ती में तो बहुत बुरा हाल होगा।'

दादी की बात सुनकर कैंडी उत्सुकता से बोली, 'दादी, नंदनवन से इंसानों की बस्ती कितनी दूर होगी?' दादी बोलीं, 'ज्यादा दूर नहीं है। पर तुम यह क्यों पूछ रही हो?'

कैंडी बोली, 'मेरी प्यारी दादी, कल संडे है। कल तुम मुझे घुमाने के लिए इनसानों की बस्ती की ओर ले चलो न!' दादी बोलीं, 'कैंडी, तुम समझदार और होशियार हो। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि तुम कृष या डोरेमॉन की तरह लोगों की समस्याएं सुलझा सकती हो।'

दादी की बातें सुनकर कैंडी मुंह बनाते हुए बोली, 'दादी, प्लीज चलो न। अगर आप मेरे साथ चलोगी तो मम्मी-पापा भी कुछ नहीं कहेंगे। अकेले मुझे वो जाने नहीं देंगे।' दादी बोलीं, 'बेटी, मैं बूढ़ी हो गई हूं, अब इतनी दूर मुझसे नहीं उड़ा जाता।' कैंडी बोली, 'अरे दादी़जब कैंडी है तो सुंदर एंडी है यानी कि हर चीज का सुंदर एंड होगा। अब आप मेरे साथ चल रही हो, बस।'

अगले दिन खाना खाने और पानी पीने के बाद दादी कैंडी के साथ इनसानों की बस्ती की ओर चल पड़ीं। दोनों उड़ते-उड़ते दिल्ली पहुंचीं। दादी बहुत थक गई थीं। वे जिस बस्ती में उतरीं, वहां पानी की बहुत किल्लत थी। बस्ती में सफाई न होने के कारण बदबू आ रही थी। यह देखकर कैंडी बोली, 'उफ दादी, यहां से जल्दी चलो। बदबू के कारण दम घुट रहा है।' वे दोनों वहां से उड़ते हुए एक स्वच्छ बस्ती की ओर गईं।

वहां उन्होंने देखा कि एक बच्चा सार्वजनिक नल पर हाथ धोने आया और नल खुला छोड़ गया। यह देखकर कैंडी तुरंत नल के पास गई और अपनी चोंच से उसे बंद करने लगी। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने कैंडी के नल बंद करते हुए सीन का वीडियो बना लिया। एक इंसान बोला, 'यार, हम लोग आए दिन पानी बरबाद करते हैं। हमसे बेहतर तो ये पक्षी हैं, जो पानी की कीमत समझते हैं।' यह सुनकर सब कैंडी को प्रशंसा की नजरों से देखने लगे।

नल बंद करके कैंडी दादी के पास पहुंची। दादी को कहीं से एक ब्रेड का पीस मिल गया था। दोनों ने उसे खाया। कैंडी बोली, 'दादी, यहां तो लोग सचमुच पानी की कीमत नहीं समझते। जिन्हें पानी आराम से मिल रहा है, वे उसे बरबाद कर रहे हैं।' दादी बोलीं, 'कैंडी, तुम सही कह रही हो। पता है, जब तुम नल बंद कर रही थीं, तो कई लोग तुम्हारी फोटो खींच रहे थे।' कैंडी बोली, 'हां दादी, मैंने देखा था। शायद उन्होंने मेरा वीडियो भी बनाया था।' दादी बोलीं, 'अब बोलो, अभी और कहीं चलना है?' कैंडी बोली, 'दादी, अब हम वापस अपने नंदनवन चलते हैं।' इसके बाद वे दोनों नंदनवन की ओर उड़ चलीं। गर्मी तेज थी, इसलिए कैंडी की दादी उड़ते-उड़ते थक गईं। वह बोलीं, 'बेटी, चलो कहीं चलकर पानी पिएं। मुझे बहुत प्यास लग रही है।' कैंडी दादी के लिए पानी ढूंढ़ने लगी। लेकिन वहां तो कहीं दूर-दूर तक पानी नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में कैंडी ने दादी को एक ओर बैठाया और पानी तलाश करने लगी।

काफी ढूंढ़ने के बाद उसे एक घड़ा नजर आया। उसने घड़े में झांककर देखा तो उसे अपने पूर्वजों की याद आ गई। घड़े में पानी बहुत कम था। कैंडी ने पानी तक पहुंचने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रही। तभी उसकी नजर कुछ दूरी पर पड़े एक प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर पड़ी जिसे देखकर उसके दिमाग में एक आइडिया आया। उसने फटाफट वह स्ट्रॉ उठाया और घड़े के पास रख दिया। इसके बाद वह अपनी दादी को अपने साथ वहीं ले आई। फिर उसने उस स्ट्रॉ के एक सिरे को घड़े के अंदर डाला और दूसरे सिरे को अपने पंजों से पकड़ लिया। दादी ने उस पतले स्ट्रॉ से उसी तरह पानी पी लिया जैसे इंसानों के बच्चे स्ट्रॉ से कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। फिर कैंडी ने भी इसी तरह पानी पिया। दोनों खुशी-खुशी घर की ओर लौट चलीं। दादी बोलीं, 'कैंडी, आखिर तूने नए जमाने के हिसाब से पानी पीने का नया जुगाड़ कर ही दिया।'

घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि नंदनवन के सारे पशु-पक्षी कैंडी और दादी के स्वागत के लिए खड़े हैं। कैंडी ने हैरानी से अपनी मां से इसका कारण पूछा तो वह बोलीं, 'आज टीवी पर सुबह से बस एक ही न्यूज आ रही है कि कौवे ने इनसानों को पानी बचाने की सीख दी। उसमें दिखाए जा रहे वीडियो में तुम नल बंद करती हुई नजर आ रही हो।' यह सुनकर दादी कैंडी को गले लगाते हुए बोलीं, 'वाह कैंडी, तुम तो हमारे पुरखों से दस कदम आगे निकल गईं। तुमने इनसानों को पानी बचाने की सीख तो दी ही है, साथ ही घड़े से पानी पीने की नई तरकीब भी ढूंढ़ी है।' दादी की बातें सुनकर सभी ने कैंडी को कंधों पर उठा लिया और नंदनवन में जश्न की तैयारियां होने लगीं।

टी बैग पर कलाकारी

न्यूयॉर्क में रहने वाली चित्रकार रूबी सिल्वियस ने बेकार टी बैग का फिर से इस्तेमाल करने का एक निराला तरीका तब निकाला, जब उन्होंने इस्तेमाल की गई गीली टी बैग को चित्रकारी करने के लिए एक कैनवास के रूप में देखा। उन्हें दूसरे लोगों से कुछ हटकर करना था, जिससे उन्हें अलग पहचान मिले। इसलिए बेकार टी बैग्स को अलग तरीके से अपनी चित्रकारी में ढालने के लिए उन्होंने यह अनूठा तरीका निकाला।

2015 में हुई इस अनूठी कला की शुरुआत

बेकार टी बैग को दोबारा इस्तेमाल करने का कमाल का विचार उन्हें वर्ष 2015 में आया था। उसी साल रूबी ने मात्र दो दिन की छुट्टी ले कर बाकि 363 दिन बिना रूके इस चित्रकारी को पूरा किया। इस कला को रूबी ने '363 दिन टी बैग' का नाम दिया है। इस कला को आगे जाकर रूबी ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाया, जिसे देख हर कोई हैरान रह गया।

दाग लगे टी बैग्स ही उनकी पहचान बने

जब रूबी की इस अनोखी कला के बारे में उनके परिजनों और दोस्तों ने जाना तो उन्होंने अपने इस्तेमाल हुए टी बैग को रूबी को देना शुरू किया। उन्होंने इन टी बैग्स के साथ कई प्रेरणात्मक संदेश भी लिख भेजे, ताकि रूबी अपने मुकाम को पा सकें। इन टी बैग्स का इस्तेमाल करते वक्त रूबी ने उन पर लगे दाग और फटे टुकड़ों को ही अपनी कला का बेस बना लिया, जिससे टी बैग्स पर की गई उनकी चित्रकारी को अलग पहचान मिली।

कई शहरों में लगी प्रदर्शनी

आज रूबी की इस कला को तीन साल हो गए हैं। उनकी इस अनोखी कलाकारी की कई अन्य शहरों में प्रदर्शनी भी लगी हैं। उनकी सबसे बड़ी प्रदर्शनी 26 दिन की थी, जो जापान में लगी थी, जिसका नाम '26 दिन टी बैग' रखा गया। यह प्रदर्शनी साल 2016 में लगाई गई थी। इसमें रूबी ने वॉटर कलर, दवात, गौचे और कटे हुए ऑर्गेमी पेपर का इस्तेमाल किया था।

इसके साथ ही रूबी ने अपना ज्यादा से ज्यादा समय दूसरे कलाकारों के बीच गुजारा, ताकि अपनी आर्ट के लिए उन्हें और भी अलग-अलग विचार मिल सकें। वहीं उन्होंने चित्रकारी करने के लिए किसी प्राकृतिक जगह का चुनाव भी किया। फ्रांस में भी '26 दिन टी बैग' प्रदर्शनी 2017 में लगाई गई थी, जिसे देखने दुनिया के कई अलग-अलग शहरों से लोग पहुंचे थे।

रूबी को नवाजे गए कई अवॉर्ड्स

रूबी अपनी कला में माहिर हैं। इसका अंदाजा तुम इसी बात से लगा सकते हो कि वह रोजमर्रा की चीजें, जैसे टी पॉट, शर्ट, छतरी, मग, पालतू जानवरों और गलियों व सड़कों को टी बैग पर कला के रूप में उतारती रहती हैं। उनकी इस कला के लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स से भी नवाजा गया है।

सांप उतार सकता है केंचुली

हर जीव की त्वचा मृत होकर अपने आप किसी-किसी स्थान से उतरती रहती है। मगर सांप अपनी त्वचा के खराब होने पर इसे साल में तीन से चार बार उतारता है, जिसे केंचुली उतारना कहते हैं। अजगर साल में एक बार ही केंचुली बदलता है। केंचुली उतारने के बाद सांप की त्वचा की सफाई हो जाती है। किसी प्रकार का संक्रमण हो, तो वह भी ठीक हो जाता है। नई त्वचा काफी चिकनी और चमकदार आती है। केंचुली बदल जाने के बाद सांप काफी चुस्त और आकर्षक दिखता है। त्वचा में कुछ भी खराबी होने पर सांप एकांत स्थान पर चला जाता है। खाना भी छोड़ देता है। फिर वह बहुत कष्टकारी प्रक्रिया से गुजरता है। उसके मुंह के पास की त्वचा कुछ ढीली होती है। जबड़े के पास किसी पत्थर आदि से रगड़कर चीरा लगाता है। फिर पेड़, पत्थर, कांटों आदि से शरीर रगड़-रगड़कर पूरे शरीर की केंचुली उतार देता है। यह जादू केवल वही कर सकता है, हम नहीं।

सबसे छोटा राज्य

क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे छोटा राज्य है गोवा। इसका कुल क्षेत्रफल केवल 3,702 वर्ग किलोमीटर है। भारत जब आजाद हुआ था, तब गोवा पर पुर्तगाल का कब्जा था। सन 1961 में भारत ने पुर्तगाल को खदेड़कर गोवा को अपना हिस्सा बनाया। तब गोवा एक केंद्र शासित प्रदेश बना था। 30 मई, 1987 को गोवा भारत का 25वां राज्य बना। गोवा अपने खूबसूरत समुद्री किनारों के लिए प्रसिद्ध है। पूरी दुनिया से पर्यटक यहां छुट्टी मनाने आते हैं।

अमेरिका : व्हाइट हाउस के पास बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत, एक व्यक्ति घायल

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस परिसर के बाहर बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने शुक्रवार को बताया कि शादी की 56वीं सालगिरह मना रहे जेन्सविले, विस्कॉन्सिन निवासी जेम्स मुलर (76) और डोना मुलर (75) की बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस परिसर के बाहर स्थित लाफायेट पार्क में बिजली गिरने के बाद मौत हो गयी। पुलिस विभाग ने बताया कि तीसरे पीड़ित 29 वर्षीय व्यक्ति को शुक्रवार शाम को मृत घोषित कर दिया। चौथी पीड़ित महिला की हालत गंभीर है। उनकी पहचान अभी उजागर नहीं की गयी है। बहरहाल, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि लोग कैसे घायल हुए। उन्होंने बिजली गिरने का जिक्र नहीं किया। मुलर दंपति की भतीजी के. मिशेल मैकनेट के अनुसार, दंपति अपनी शादी की 56वीं सालगिरह मनाने के लिए वाशिंगटन, डीसी गए हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया सेवा और यूएस पार्क पुलिस के अधिकारियों के सामने बृहस्पतिवार रात को यह हादसा हुआ और वे घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार देने के लिए दौड़ पड़े। अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता वीटो मैगियोलो ने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा दल ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने कहा, फ्लाफायेट पार्क में बिजली गिरने से लोगों के मारे जाने पर हम दुखी हैं। हमारी संवेदना उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और हम उन लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जो अब भी अपनी जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे हैं।

अफगानिस्तान में बम विस्फोट में आठ लोगों की मौत, तालिबान ने जारी किया बयान

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक मस्जिद के पास शुक्रवार को एक गाड़ी में बम विस्फोट होने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गये। तालिबान के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। काबुल के पुलिस प्रमुख के लिए तालिबान द्वारा नियुक्त प्रवक्ता खालिद ज़ादरान के अनुसार यह बम विस्फोट पश्चिमी काबुल के शिया बहुल सर-ए करेज़ क्षेत्र में हुआ। प्रारंभिक रिपोर्टों में दो लोगों की मौत की जानकारी दी गई थी, लेकिन बाद में कुछ घायलों की मौत होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ गई। इस बम विस्फोट की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

म्यांमार में आगे भी फांसी दिए जाने के मामले में आसियान के विशेष दूत ने आगाह किया

नोम पेन्ह । म्यांमार में सैन्य शासन के बीच हालात अभी भी सधरे नहीं है यहां लगातार सेना द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन की शिकायते मिल रही हैं। कंबोडिया के विदेश मंत्री प्राक सोखोन ने शनिवार को कहा कि युद्धग्रस्त म्यांमार में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने में मदद करने की पड़ोसी देशों की कोशिशें हाल में तब बाधित हुई, जब दक्षिणपूर्वी एशियाई देश (म्यांमार) में चार राजनीतिक कार्यकर्ताओं को फांसी दी गयी। उन्होंने 10-सदस्यीय दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) में म्यांमार के विशेष दूत के तौर पर आगाह किया कि आगे और फांसी देने से क्षेत्रीय समूह को इस पर पुनर्विचार के लिए विवश होना पड़ेगा कि म्यांमार के साथ भागीदारी का स्तर कैसा हो। प्राक सोखोन आसियान के विदेश मंत्रियों की सप्ताह भर चली बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। शुक्रवार को जारी बैठक की अंतिम विज्ञप्ति के एक अंश में म्यांमार में हिंसा समाप्त करने की दिशा में विफल रहने के लिए उसकी आलोचना की गई है। उन्होंने शनिवार को म्यांमार के असंतुष्ट लोगों को फांसी दिए जाने को उनकी मध्यस्थता के प्रयासों के लिए एक 'झटका' बताया और कहा कि म्यांमार के अलावा आसियान के नौ देश 'यह देखने के लिए थोड़ा इंतजार करने को राजी हो गए हैं कि आगामी हफ्तों तथा महीनों में चीजें किस तरह बदलती हैं।' उन्होंने कहा, 'अगर और लोगों को फांसी दी जाती है तो चीजों पर फिर से गौर करना होगा।' इससे संकेत मिलता है कि आसियान म्यांमार की सैन्य सरकार के साथ अपनी भागीदारी कम करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि संघ के अपने सदस्य और अन्य देश भी पांच सूत्री आम सहमति लागू करने के लिए म्यांमार पर दबाव बनाने को लेकर आसियान की ओर से ज्यादा प्रयास न किये जाने के वास्ते उसकी आलोचना करते रहे हैं।

इंडियाना गर्भपात पर रोक को मंजूरी देने वाला पहला अमेरिकी राज्य बना

इंडियानापोलिस । अमेरिका में रो बनाम वेड मामले पर फैसला पलटे जाने के बाद इंडियाना गर्भपात पर रोक को मंजूरी देने वाला पहला राज्य बन गया है। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने रो बनाम वेड मामले के फैसले को पलटते हुए गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को खत्म कर दिया था। इसके बाद इंडियाना के रिपब्लिकन गवर्नर एरिक होलकॉम्ब ने सांसदों द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद गर्भपात पर पूरी तरह रोक लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए। यह प्रतिबंध 15 सितंबर से लागू होगा और इसमें कुछ अपवाद भी शामिल हैं। दुष्कर्म और व्यभिचार के मामलों तथा मां की जान बचाने के लिए गर्भपात की अनुमति होगी। साथ ही अगर किसी भ्रूण में कोई जानलेवा बीमारी पाई जाती है, तो भी गर्भपात की अनुमति दी जाएगी। इंडियाना रिपब्लिकन पार्टी द्वारा शासित उन राज्यों में शामिल है, जहां गर्भपात पर रोक को लेकर सबसे पहले बहस शुरू हुई थी।

चीन के किंडरगार्टन में हुए हमले के संदिग्ध की दुर्घटना में मौत

बीजिंग । चीन के जियांग्शी प्रांत के एक किंडरगार्टन (बालवाड़ी) पर इस सप्ताह की शुरुआत में हमला करने के आरोपी 48 वर्षीय चीनी की एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण मौत हो गई है। पुलिस के मुता?बिक लियू शियाओहुई नाम के व्यक्ति ने हाल ही में किंडरगार्टन में चाकू से हमला किया था जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान दो अन्य की मौत हो गई और हमले में कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि लियू घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस द्वारा जारी बयान के अनुसार भागते समय वह एक्सप्रेस-वे के पास एक पुलिया में छिप गया। तलाशी दल के करीब आने के बाद, लियू वहां से भागकर एक बाड़ पर चढ़ गया और एक्सप्रेस-वे को पार करते समय एक वाहन से टकरा गया। पुलिस ने बताया कि लियू को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गौरतलब है कि बीते कुछ वर्षों में चीन में स्कूलों पर हमले की घटनाएं बढ़ने के बाद सरकार ने स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। चीन लोगों को निजी बंदूक रखने की अनुमति नहीं देता, इसलिए यहां अधिकतर हमले चाकू, घर में तैयार विस्फोटकों या पेट्रोल बम से किए जाते हैं। एक दशक में हुए ऐसे हमलों में करीब 100 बच्चे एवं वयस्क मारे गए हैं जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं।

5.3 तीव्रता के भूकंप से कांपा नेपाल का बागमती सूबा, कोई हताहत नहीं

बागमती। नेपाल के बागमती राज्य के नुवाकोट जिले के बेलाकोटगदी के आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर 5.3 तीव्रता का भूकंप अनुभव किया गया है। देश के नेशनल अर्थक्वेक एंड मॉनिटरिंग रिसर्च सेंटर (एनईएमआरसी) ने शनिवार को ये जानकारी दी है। एक ट्वीट में नेशनल अर्थक्वेक एंड मॉनिटरिंग रिसर्च सेंटर (एनईएमआरसी) ने कहा कि नुवाकोट जिले के बेलकोटगदी के आसपास 05:26 बजे 5.3 तीव्रता का भूकंप आया है। एक खबर के मुताबिक भूकंप के ये झटके सतह से 10 किमी. की उथली गहराई पर दर्ज किए गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार भूकंप से जानमाल के किसी नुकसान की कोई खबर नहीं थी। कई लोगों ने भूकंप के केंद्र के क्षेत्र में धरती में हल्के कंपन को महसूस किया। भूकंप के केंद्र से 33 किमी. दूर मौजूद कीर्तिपुर में इसके कमजोर झटके महसूस किए गए। इसके साथ ही काठमांडू और पाटन में भी भूकंप के झटके महसूस हुए। भूकंप के केंद्र के पास के अन्य शहरों में भी भूकंप के बहुत कमजोर झटके महसूस किए गए हैं। गौरतलब है कि नेपाल में हाल के दिनों में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए हैं। इनका असर भारत में नेपाल के पड़ोसी राज्यों में भी महसूस किया गया है।

अमेरिकन पाई के बाद मैं सैकड़ों लोगों के साथ सोई: जेनिफर कूलिज

लॉस एंजेलिस । अभिनेत्री जेनिफर कूलिज ने कॉमेडी फिल्म 'अमेरिकन पाई' में अभिनय करने के बाद अपने यौन संबंधों को लेकर खुल कर बात की। एक रिपोर्ट के अनुसार 60 वर्षीय अभिनेत्री ने 1999 में स्टिफलर की मां की भूमिका निभाई और मजाक में कहा कि, वह इस भूमिका को निभाने के बाद से सैकड़ों लोगों के साथ सो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मैं 'अमेरिकन पाई' के लिए बहुत खुश थी। मुझे एक मिल्फ (ऐसी महिला जिस पर युवा आकर्षित होते हैं) होने का बहुत लाभ मिला और मुझे ' 'अमेरिकन पाई' से काफी सारा यौन संबंध बनाने में मदद मिली। उस फिल्म को करने के बहुत सारे फायदे थे। इस फिल्म के बाद मैं करीब 200 लोगों के सोयी। कूलिज आगामी लीगली ब्लोंड 3 में एक बार फिर पॉलेट की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि उन्हों ने अभी तक फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं देखी है।

गाजा में संघर्ष के दौरान फिलिस्तीनी आर्तकियों ने इजरायल में रोकेट दागे।

गाजा पट्टी पर इजराइल के हमले में हमास के कमांडर समेत 10 लोगों की मौत

गाजा सिटी,। (एपी) इजराइल ने शुक्रवार को गाजा पर कई हवाई हमले किए जिससे हमास के एक वरिष्ठ कमांडर समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। फलस्तीन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल ने कहा है कि कब्जे वाले पश्चिमी तट में इस सप्ताह के प्रारंभ में एक वरिष्ठ फलस्तीनी विद्रोही की गिरफ्तारी के कारण बढ़े तनाव के बीच उसने शुक्रवार को गाजा पर हमला किया।

इजराइल ने देश में भी 'विशेष स्थिति' की घोषणा की है जहां सीमा से 80 किलोमीटर के दायरे में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं और लोगों की अन्य गतिविधियां रोक दी गई हैं। सोमवार को कब्जे वाले पश्चिमी तट में हमास के एक वरिष्ठ सदस्य की गिरफ्तारी के बाद हमले की आशंका में इजराइल ने इस सप्ताह की शुरुआत में गाजा के आसपास की सड़कों को बंद कर दिया था और सीमा पर अतिरिक्त जवानों को भेजा था। इजराइल और फलस्तीन के हमास के बीच 15 वर्षों में चार युद्ध और कई छोटी झड़पें हुई हैं। हालिया समय में सबसे भीषण लड़ाई मई 2021 में हुई थी और इस साल की शुरुआत में भी इसकी आशंका बढ़ गई थी। हमास के प्रवक्ता फावजी बरहोम ने कहा, ''गाजा के खिलाफ भड़कावे की कार्रवाई शुरू करने वाले इजराइली दुश्मनों ने नया अपराध किया है, जिसकी कीमत उन्हें चुकानी होगी।'' हमास के नेता जाइल अल नाखला ने ईरान से अल मायदीन टीवी नेटवर्क के माध्यम से कहा, ''हम लड़ाई शुरू कर रहे हैं और फलस्तीनी प्रतिरोध को इस आक्रामकता के खिलाफ एकजुट खड़ा होना होगा।''

मुख्य टापू पर हमले का अनुकरण कर रहा ड्रैगन, ताइवान ने लगाया बड़ा आरोप

बीजिंग।(एजेंसी)।

चीन ताइवान के बीच 73 साल पुराना विवाद रूस यूक्रेन युद्ध के बीच एक बार फिर से गर्मा गया है। वहीं अमेरिका ने इस आग में घी डालने का काम किया है। चीन की तमाम धमकियों के बावजूद हाल ही में अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया। नैंसी के दौरे से बौखलाया चीन ताइवान को हमले की धमकी दे रहा है। ड्रैगन को अमेरिका का ताइवान की स्वतंत्रता के पक्ष में खुल कर समर्थन करना हजम नहीं हो रहा है। वहीं ताइवान ने ताइवान ने चीनी सेना पर शनिवार को अपने मुख्य द्वीप पर हमले का अनुकरण करने का आरोप लगाया है।

बीजिंग ने वाशिंगटन के साथ सहयोग को निलंबित करने की घोषणा के बाद अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइपे यात्रा के बाद चीन बुरी तरह बौखला गया है। बता दें कि पेलोसी की चीन के स्व-शासित पड़ोसी देश ताइवान, - जिसे वह अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है की यात्रा के मद्देनजर दोनों महाशक्तियों के बीच संबंधों में खटास आई है।

विश्लेषकों का कहना है कि बीजिंग ने शनिवार को ताइवान के आसपास अपने सबसे बड़े सैन्य अभ्यासों को कुछ और दिन जारी रख सकता है। अभ्यास का उद्देश्य नाकाबंदी और द्वीप पर अंतिम आक्रमण करना था। इस संबंध में ताइपे ने कहा कि उसने ताइवान जलडमरूमध्य में 'कई' चीनी विमानों और जहाजों का संचालन देखा है। ताइवान का मानना है कि वे स्व-शासित लोकतंत्र के मुख्य द्वीप पर हमले की नकल कर रहे हैं।

चीन को सबक सिखाने की तैयारी, एलसएसी के करीब भारत-अमेरिका करेगा संयुक्त सैन्य अभ्यास

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

चीन की बढ़ती दादागीरी पर अंकुश लगाने भारत ने अमेरिका के साथ मिलकर सैन्य अभ्यास करने की तैयारी की है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की आक्रामक गतिविधियों पर भारत ने अब कड़ी लगाम कसने की तैयारी की है। अमेरिका के साथ भारत चीन के साथ विवादित सीमा से 100 किलोमीटर (62 मील) से भी कम दूरी पर एक संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी कर रहा है। ये सैन्य अभ्यास अक्टूबर के मध्य में उत्तराखंड के औली में 10,000 फीट की ऊंचाई पर आयोजित किया जाएगा। जिसमें ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में युद्ध के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। औली चीन की वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से लगभग 95 किलोमीटर दूर है, जो एक दुर्गम भूमि है।

एक खबर के मुताबिक दोनों देशों का ये सैन्य अभ्यास एक वार्षिक संयुक्त अभ्यास के 18वें संस्करण के हिस्से के रूप में होगा। गौरतलब है कि जून 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में चीन सैनिकों और भारत के सैनिकों के बीच हुए खूनी संघर्ष के बाद से भारत और चीन के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। गलवान की झड़प में कम से कम 20 भारतीय सैनिक और चार चीनी सैनिकों की मौत होने की खबर सामने आई थी। चीन के हाल ही में सीमा पर स्थित पैंगोंग त्सो झील के पार एक पुल का निर्माण करने से भी तनाव और बढ़ गया है। इसी साल भारत की यात्रा के दौरान अमेरिकी सेना के पैसिफिक कमांडिंग जनरल चार्ल्स फ्लिन ने विवादित सीमा के पास चीन के सैन्य जमावड़े को 'खतरनाक' बताया था।

बांग्लादेश में बीती रात 51.7 फीसदी बढ़ गए पेट्रोल-डीजल के दाम, महंगाई की दोहरी मार से जनता बेहाल

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश में आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दाम के बीच सरकार ने बीती रात पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 51.7 फीसदी की रिकार्ड बढ़ोतरी कर दी। देश के इतिहास में फ्यूल के दाम में इसे सबसे बड़ी वृद्धि बताई जा रही है। पहले से ही महंगाई झेल रही जनता पर इस तरह दोहरी मार पड़ी है। रात 12:00 बजे से लागू हुई नई कीमतों के अनुसार एक लीटर ऑक्टेन की कीमत अब 135 टका हो गई है, जो कि 89 टका की पिछली दर से 51.7 प्रतिशत अधिक है। बांग्लादेश में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत अब 130 टका है, यानी कि बीती रात से इसमें 44 टका या फिर 51.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय ने फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन के दाम में हुई वृद्धि के चलते यह फैसला हुआ है। कम दाम पर ईंधन बेचने की वजह से बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसी) को फरवरी से जुलाई के बीच 8,014.51 टका का नुकसान हुआ है। मंत्रालय की प्रेस रिलीज में कहा गया है कि इंटरनेशनल मार्केट में फ्यूल की कीमत बढ़ने से भारत समेत कई देश पहले ही यह फैसला ले चुके हैं। कोलाकाता में एक लीटर डीजल 22 मई से ही 92.76 रुपये (114.09 टका) और पेट्रोल प्रति लीटर 106.03 रुपये (130.42 टका) में बेचा जा रहा है।

अमेरिका के 'ऑपरेशन जवाहिरी' को लेकर बड़ा दावा, किर्गिस्तान के एयरबेस से लॉन्च किया गया था ड्रोन

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अल-कायदा नेता अयमान अल-जवाहिरी 2 अगस्त को अफगानिस्तान में अमेरिका द्वारा ड्रोन हमले में मारा गया था। लेकिन अब इसको लेकर कुछ अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अल जवाहिरी का खात्मा करने वाले अमेरिकी ड्रोन को संभवतः किर्गिस्तान के एक एयरबेस से लॉन्च किया गया था। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने बताया कि हमला उत्तरी किर्गिज़ शहर मानस में स्थित एक अमेरिकी पारगमन सुविधा गैन्सी एयरबेस से लॉन्च किया गया था। अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुसार गांसी किर्गिस्तान में बिश्केक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक पूर्व अमेरिकी सैन्य अड्डा था। इसे अमेरिकी वायु सेना द्वारा संचालित किया जाता था। हालांकि इसे जून 2014 में किर्गिज़ सेना को सौंप दिया गया था।

हालांकि, अमेरिकी प्रशासन ने ड्रोन के टेकऑफ़ या उड़ान के सटीक स्थान या मार्ग के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिकी रक्षा विभाग की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि जवाहिरी काबुल शहर में एक खुफिया ऑपरेशन में मारा गया था, जहां वह तालिबान के अतिथि के रूप में रह रहा था। अमेरिका ने कहा कि रविवार को सुबह 6:18 बजे काबुल में जहां वो रह रहा था वहां सटीक, आतंकवाद विरोधी अभियान में दो हेलफायर मिसाइलों से हमला किया गया था। अमेरिका के अनुसार आतंकी समूह हक्कानी नेटवर्क को काबुल में अल-कायदा नेता की मौजूदगी के बारे में पता था।

वहीं तालिबान के नेता भी सवालों के घेरे में है। कहा ये जा रहा है कि अफगानिस्तान में बिना तालिबान की मदद से अमेरिका इतने बड़े ऑपरेशन को अंजाम नहीं दे सकती। आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका ने पाकिस्तान या ईरान के एयरस्पेस का इस्तेमाल कर जवाहिरी पर ड्रोन हमला किया। अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज के लौटने के बाद ये पहला बड़ा हमला था।

वंचित शहरी क्षेत्रों का पैसा अन्य हिस्सों में भेजने के विवाद में फंसे ऋषि सुनक

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री पद के लिए कंजर्वेटिव पार्टी के ऋषि सुनक और लिज़ ट्रस के बीच काटे का मुकाबला चल रहा है। पर अब ऋषि सुनक एक विवाद में फंसते दिख रहे हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर ऋषि सुनक कह रहे हैं कि उन्होंने वंचित शहरी क्षेत्रों से पैसा लिया और इसे देश के अन्य हिस्सों में भेज दिया। केंट के टुनब्रिज वेल्स कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्यों से बातचीत का एक वीडियो सामने आया। उनके इस बयान की कई लोगों ने आलोचना की है।

क्लिप में ऋषि सुनक ने कहा, 'मैं फंडिंग फार्मूले को बदलने की शुरुआत करने में कामयाब रहा। मैंने शुरू में देखा कि उस तरह के क्षेत्रों को फंडिंग मिले जो उसके हकदार हैं। क्योंकि हमें विरासत में लेबर पार्टी का एक फार्मूला मिला था, जिसमें सारी फंडिंग को वंचित शहरों में ही भेज दिया जाता था। इसे पहले जैसे करने की जरूरत थी और मैंने इसे

पहले की तरह करने का काम शुरू किया।' ऋषि सुनक ब्रिटेन के पूर्व वित्त मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने फंडिंग में किस तरह के बदलाव किए उसका विवरण स्पष्ट नहीं है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार के तहत, 'इंग्लैंड के कुछ सबसे धनी हिस्सों जिनमें मंत्रियों के प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्र शामिल हैं को सबसे गरीब लोगों की तुलना में प्रति व्यक्ति 10 गुना अधिक धन आवंटित किया गया था।' बता दें कि ब्रिटेन का पीएम बनने के लिए ऋषि सुनक कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्यों से वोट मांग रहे हैं। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को कई घोटालों में घिरने के बाद जुलाई में इस्तीफा देना पड़ा है। ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बनने की रेस में अभी पीछे थे। लेकिन गुरुवार को एक टीवी डिबेट में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी लिज़ ट्रस को पछाड़ दिया है। एक कार्यक्रम में ऋषि सुनक और विदेश मंत्री लिज ट्रस ने अपनी-अपनी दलीलें रखी। इस बहस में कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य दर्शकों के रूप में शामिल हुए थे। ज्यादातर दर्शकों ने हाथ उठा कर ऋषि सुनक को इस डिबेट का विजेता बताया।

अमेरिकी सीनेट ने भारतीय-अमेरिकी वकील रूपाली देसाई की न्यायाधीश पद पर नियुक्ति की पुष्टि की

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी सीनेट ने 'नाइंथ सर्किट' के लिए अमेरिकी अपीली अदालत में भारतीय-अमेरिकी वकील रूपाली एच देसाई की नियुक्ति की पुष्टि कर दी है। इसी के साथ वह इस शक्तिशाली अदालत में न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने वाली दक्षिण एशियाई मूल की पहली न्यायाधीश बन गई हैं। अमेरिका के दोनों दलों-डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लकिन पार्टी के 67 सांसदों ने बृहस्पतिवार को देसाई के समर्थन में मतदान किया, जबकि 29 सदस्यों ने उनके खिलाफ वोट दिया। 'नाइंथ सर्किट' का मुख्यालय कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में है। यह देश की 13 अपीली अदालतों में सबसे बड़ी है।

सीनेट की न्याय संबंधी मामलों की समिति के प्रमुख एवं बहुमत के सचेतक डिक डरबिन ने कहा, ''यह कोई हैरत की बात नहीं है कि देसाई के नामांकन को राजनीतिक और वैचारिक गलियारों में काफी सराहा गया। इसके अलावा राज्य के न्यायाधीशों, कानूनी प्रवर्तन अधिकारियों और दमकल सेवा से जुड़े तीन संगठनों ने उनके नामांकन का समर्थन किया है। वकील के रूप में 16 साल का अनुभव रखने वाली देसाई नाइंथ सर्किट में असाधारण योगदान देंगी।''

क्रांति समय रविवार 07-अगस्त-2022 देश 7
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

एनआईए की हिरासत में भेजा गया गैंगस्टर छोटा शकील का करीबी रिश्तेदार सलीम कुरैशी

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने दाऊद इब्राहिम गिरोह की आतंकी गतिविधियों में सहायक की भूमिका निभाने के आरोप में गिरफ्तार सलीम कुरैशी को 17 अगस्त तक के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेजा गया है। एनआईए ने दाऊद गिरोह के सदस्य मुंबई निवासी सलीम कुरैशी उर्फ 'सलीम फ्रूट' को गुरुवार को गिरफ्तार किया था। एनआईए के मुताबिक, कुरैशी भगोड़े गैंगस्टर छोटा शकील का करीबी रिश्तेदार है। कुरैशी को विशेष एनआईए अदालत के समक्ष पेश किया, जहां से उसे एनआईए की हिरासत में भेजा गया। केंद्रीय एजेंसी ने यह दावा करते हुए कुरैशी को 15 दिनों की हिरासत में भेजने का अनुरोध किया कि कुरैशी ने डी कंपनी की आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए धन जुटाने में संपत्ति के सौदे और विवाद निपटान के जरिए शकील के नाम पर बड़ी मात्रा में धन उगाही में सक्रिय भूमिका निभाई है। एनआईए ने अदालत को बताया कि उसने मई में मुंबई में 29 जगहों पर छापेमारी की थी और अवैध संपत्ति से संबंधित कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए थे। उसने कहा कि कुरैशी ने दाऊद गिरोह के नाम पर बिल्डरों को धमकाया और उनसे करोड़ों रुपये की उगाही की। कुरैशी की ओर से पेश वकील वी राजगुरु ने रिमांड अर्जी का विरोध किया। वकील ने कहा कि आरोपी दक्षिण मुंबई के भायखला में मेडिकल की दुकान चलाता है और उसकी ऐसी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं है, जो उसके जबरन वसूली गिरोह का हिस्सा होने के आरोप को साबित कर सके। उन्होंने कहा कुरैशी के खिलाफ दाऊद गिरोह से संबंध दिखाने के लिए कोई प्राथमिकी या आरोपपत्र लंबित नहीं है।

असम के माजुली में प्रसाद खाने से बीमार पड़े 18 लोग, अस्पताल में कराया गया भर्ती

गुवाहाटी। असम के माजुली जिले में एक धार्मिक समारोह के दौरान प्रसाद खाने से कम से कम 18 लोग बीमार पड़ गए। जिसके तत्काल बाद बीमार व्यक्तियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मामला माजुली जिले के गरमूर के पास महरीचुक इलाके का है, जहां पर बीती रात को एक धार्मिक समारोह में गांव के लोग एकत्रित हुए। धार्मिक समारोह में एकत्रित हुए गांववालों ने प्रसाद खाया और उसके बाद कथित तौर पर कम से कम 18 लोग बीमार पड़ गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी लोगों की हालत स्थिर है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, माजुली जिले के गरमूर में बीती रात एक धार्मिक समारोह में प्रसाद खाने के बाद कथित तौर पर कम से कम 18 लोग बीमार पड़ गए। उपायुक्त पुलक महंत ने बताया कि उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया और वे अब स्थिर हैं। जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ अमूल्य गोस्वामी ने बताया कि पीड़ितों ने रात 12 लोग पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद यहां आए थे। आज सुबह छह और लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत अब स्थिर है। हमें संदेह है कि यह फूड पॉइजनिंग का मामला है।

मुंबई एयरपोर्ट से 1.5 किमी हेरोईन के साथ गिरफ्तार किया गया अंगोला का नागरिक

-पेट में भर रखे थे 127 कैप्सूल, जिनमें भरी थी हेरोइन

मुंबई । अंगोला के एक नागरिक को मुंबई में हेरोइन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किया गया अंगोला का नागरिक हेरोइन की तस्करी अपने पेट में छिपाकर कर रहा था। कस्टम विभाग ने उसके पास से 1.5 किलो हेरोइन जब्त की है। जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लगबग 10.45 करोड़ रुपए आंकी गई है।
यह गिरफ्तारी पिछले गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर की गई। इस महीने में यह तीसरी बार है, जब अंगोला के किसी नागरिक को देश में नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ताजा मामले में कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने 31 जुलाई को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अदीस अबाबा से इथियोपियाई एयरलाइंस द्वारा पहुंचे नेलो नदाबो को तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नशीली दवाओं के कैप्सूल अपने पेट में छुपा रखे थे। आरोपी 20 से 25 घंटे तक शौचालय नहीं गया था। इसके कारण उसके पेट में सूजन हो गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि 'प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, आरोपी ने स्वेच्छा से हमें बताया कि उसने नशीली दवाओं के कैप्सूल को अपने पेट में छुपा रखा है। कैप्सूल के कारण उसके पेट में सूजन हो गई है। वह तकरीबन 20-25 घंटे से शौचालय नहीं गया है। वह पेट में अत्यधिक दर्द के साथ बेचैनी महसूस कर रहा था। अधिकारी ने कहा कि नेलो नदाबो को जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसके पेट से 127 कैप्सूल निकाले गए। बताया जाता है कि कैप्सूल में भरा सफेद पाउडर हेरोइन है। अधिकारियों के अनुसार नेलो ने उन्हें बताया कि वह जानता था कि पेट में कैप्सूल रख कर ड्रग्स की तस्करी करना जोखिम भरा है, इससे उसकी जान भी जा सकती है, लेकिन उसने अपनी आर्थिक परेशानी की वजह से यह जोखिम उठाया।

देश के डेढ़ लाख डाकघरों में तिरंगे की बिक्री

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने आजादी के 75 साल पूरे होने पर घर घर तिरंगा झंडा लगाने का आह्वान किया है। तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए देश के डेढ़ लाख डाकघरों से झंडे की बिक्री की जा रही है। डाक तार विभाग के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को तीन विभिन्न आकारों में डाकघरों से बेचा जा रहा है। 20×30 इंच के तिरंगे की कीमत 25 रूपये तथा दो अन्य साइज के तिरंगा की कीमत 18 और 9 रुपये रखी गई है। डाक तार विभाग स्वयं सहायता समूह, खादी ग्रामोद्योग इत्यादि से झंडे लेकर पोस्ट ऑफिस के माध्यम से बेच रहा है।

तंबाकू हर साल लेती है 13 लाख लोगों की जान, और सख्त होने चाहिए कानून : विशेषज्ञ

नई दिल्ली । तंबाकू फ्री इंडिया विषय पर हुए एक वेबिनार में विशेषज्ञों ने स्मोकिंग जोन पर तत्काल बैन लगाने और दुकानों में तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर बैन लगाने की जरूरत बताई। देश में हर साल 13 लाख लोग तंबाकू उत्पादों के इस्तेमाल की वजह से मौत के शिकार होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अब समय आ गया है कि धूम्रपान की छूट देने वाले स्मोकिंग जोन और दुकानों पर तंबाकू उत्पादों के विज्ञापनों की छूट को खत्म कर तंबाकू के विज्ञापन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। विशेषज्ञों ने तंबाकू-नियंत्रण कानून को सख्त बनाने की मांग की। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कॉटपा) संशोधन विधेयक न सिर्फ लाखों लोगों की जान बचाने में मददगार होगा, बल्कि यह देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ भी कम करेगा। कैंसर विशेषज्ञ और आईसीएमआर-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम और शोध संस्थान की निदेशक डॉ शालिनी सिंह ने कहा तंबाकू उद्योग अब 'सिंथेटिक निकोटीन' के माध्यम से युवाओं को जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा है। यह निकोटीन की तरह ही हानिकारक और नशे की लत है, लेकिन यह मौजूदा कानूनों के दायरे में नहीं आता। डॉ सिंह ने कहा कई देश अब तंबाकू सेवन को खत्म करने की रणनीति की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। उन्होंने सड़कों, समुद्र तटों और खुले पार्कों में भी तंबाकू सेवन पर प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया है। जबकि हमारे देश में होटलों और रेस्तराओं जैसी बंद जगहों पर स्मोकिंग जोन की अनुमति है। यह धूम्रपान नहीं करने वाले लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। हमें इस पर तत्काल प्रतिबंध लगाना होगा। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अर्चना धवन बजाज ने कहा कि विवाहित जोड़ों में नपुंसकता या ऐसी समस्या तेजी से बढ़ रही है। धूम्रपान और तंबाकू के सेवन से पुरुषों और महिलाओं दोनों की प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसकी वजह से गर्भावस्था के दौरान गर्भ में पल रहे बच्चे के जीवन की गुणवत्ता खतरे में पड़ सकती है। वह अस्वस्थ हो सकता है, गर्भपात हो सकता है और गर्भ में बच्चे की मौत भी हो सकती है।

लम्पी वायरस की रोकथाम के लिए स्वदेशी वैक्सिंग

बीकानेर। गुजरात से फैले लंप्पी वायरस की रोकथाम के लिए हरियाणा के केंद्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने स्वदेशी वैक्सीन तैयार करने का दावा किया है। लंप्पी वायरस गुजरात से शुरू होकर कई राज्यों में फैल गया है। उत्तराखंड तथा राजस्थान के कई राज्यों में इसका परीक्षण करने का दावा किया गया है। कृषि मंत्रालय ने वायरस की रोकथाम के लिए जो वैक्सीन तैयार हुई है ।उसके उपयोग को अपनी मंजूरी दे दी है। यह वैक्सीन राजस्थान में 1 सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराने का दावा किया गया है।

1 साल सुरक्षित रहेगी वैक्सीन

2019 में उड़ीसा में लम्पी वायरस का पहली बार पता चला था। उसके बाद से ही वैक्सीन तैयार करने का कार्य किया जा रहा था। हरियाणा के केंद्रीय अनुसंधान संस्थान मैं तैयार यह वैक्सीन 1 साल तक सुरक्षित रहेगी। इस वैक्सीन के फार्मूले को दवा निर्माता कंपनी को देखकर 200 करोड़ से ज्यादा डोज बनाने का कांटेक्ट किया जा सकता है।

व्यापारियों और उद्योगपतियों को गुजरात के विकास में पार्टनर बनाने आया हूं,

जामनगर में बोले केजरीवाल- आप हुकूम देंगे सरकार उसे लागू करेगी

जामनगर (एजेंसी)।

पंजाब में मिली बड़ी जीत के बाद अब अरविंद केजरीवाल की नजरें गुजरात पर हैं। अहमदाबाद में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मिलकर एक बड़ा रोड शो कर चुके हैं। मई महीने में ही भरूच में आदिवासी संकल्प महासम्मेलन में हिस्सा लिया। बीते दिनों आप संयोजक की तरफ से सोमनाथ में एक रैली को भी संबोधित किया गया। अब केजरीवाल एक बार फिर से गुजरात के जामनगर के दौरे पर हैं। यहां पर उन्होंने व्यापारियों के एक सम्मेलन को संबोधित किया और कहा कि वो गुजरात के व्यापारियों और उद्योगपतियों को विकास में पार्टनर बनाने आए है।

गुजरात के जामनगर में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं व्यापारियों और उद्योगपतियों को गुजरात के विकास में पार्टनर बनाने आया हूं। आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी तो आपको पार्टनर की तरह ट्रीट किया जाएगा। हुकूम आप देंगे सरकार उसको लागू करेगी। आपको पता है कि परेशानी क्या है, सरकार में बैठे मंत्री को नहीं। केजरीवाल ने कहा कि आपको पता है कि समस्या क्या है। सरकार में बैठे लोगों को या बाबू को नहीं पता है। आप निर्णय लेंगे हम उसको लागू करेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 'फ्री रेवड़ी' को लेकर इन दिनों काफी चर्चा है। हमने दिल्ली सरकार के स्कूलों को बदल दिया है। इस साल सैकड़ों छात्रों ने आईआईटी और नीट की परीक्षा पास की है। क्या मैं मुफ्त शिक्षा देकर गलत कर रहा हूं? केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूल पांच साल में इतने शानदार कर दिए। आज कल लोग फोर्टिस और मैक्स में नहीं बल्कि सरकारी अस्पताल में अपना इलाज कराने के लिए जाते हैं।

भारत की आपत्ति के बाद श्रीलंका ने चीन से जासूसी जहाज रोकने को कहा

नई दिल्ली । श्रीलंका को अपनी गिरफ्त में लेकर चीन अब भारत पर नजर रखने की तैयारी कर रहा है उसका जासूसी जहाज युआन वांग-5, श्रीलंका की ओर बढ़ रहा है। वहीं भारत द्वारा चिंता जताए जाने पर श्रीलंका ने चीन से अपने जासूसी जहाज युआन वांग 5 के आगमन को टालने का अनुरोध किया है। चीन का यह जासूसी शिप 13 जुलाई को जियानगिन पोर्ट से रवाना हुआ था और 11 अगस्त को श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट पर पहुंचेगा और 17 अगस्त तक रहेगा। युआन वांग 5 को स्पेस और सैटेलाइट ट्रैकिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस शिप के जरिये सैटेलाइट, रॉकेट और इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की लॉन्चिंग को ट्रैक किया जाता है। यह युआन वांग सीरीज का तीसरी पीढ़ी का ट्रैकिंग जहाज है, जो 29 सितंबर, 2007 को सेवा में आया था और इसे चीन के 708 अनुसंधान संस्थान द्वारा डिजाइन किया गया था। चीन ने श्रीलंका को शिप के दौरान ईंधन और अन्य आपूर्ति के लिए निर्देश दिया है। उपलब्ध खुफिया जानकारी के अनुसार, 17 अगस्त के बाद युआन वांग 5अंतरिक्ष ट्रैकिंग और उपग्रह संचालन निगरानी जैसे अन्य रिसर्च के लिए हिंद महासागर में चला जाएगा। श्रीलंकाई अधिकारियों ने जहाज के आगमन को अगले आदेश तक स्थगित करने की मांग की है। भारत सरकार के सूत्रों ने श्रीलंका के इस कदम का स्वागत किया है और कहा है कि चीन को अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, चीन ने श्रीलंका के आर्थिक संकट का फायदा उठाने के लिए इस गतिविधि को ठीक से समय दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि श्रीलंकाई बंदरगाह चीनी नौसैनिक के ठिकाने बन जाएं, जिन्हें बाद में पीएलए द्वारा इस्तेमाल किया जा सके।

वरुण गांधी ने 'मुफ्त की रेवड़ी' विवाद पर अपनी ही सरकार पर साधा निशाना,

कहा- सरकारी खजाने पर आखिर पहला हक किसका है?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा सांसद वरुण गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुफ्त की रेवड़ी वाली टिप्पणी को लेकर सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले पांच साल में भ्रष्ट कारोबारियों का 10 लाख करोड़ रुपये तक का कर्ज माफ किया गया। मेहुल चोकसी और ऋषि अग्रवाल ÷मुफ्त की रेवड़ी÷ प्राप्त करने वालों की सूची में शीर्ष पर हैं। गांधी ने एक ट्वीट में शीर्ष 10 डिफॉल्टर फर्मों के बारे में संसद में एक सरकारी जवाब साझा करते हुए कहा कि इनमें से दो फर्मों से चोकसी और अग्रवाल जुड़े हुए हैं।

वरुण गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा कि जो सदन गरीब को 5 किलो राशन दिए जाने पर 'धन्यवाद' की आकांक्षा रखता है। वही सदन बताता है कि 5 वर्षों में भ्रष्ट धनपशुओं का 10 लाख करोड़ तक का लोन माफ हुआ है। 'मुफ्त की रेवड़ी' लेने वालों में मेहुल चोकसी और ऋषि अग्रवाल का नाम शीर्ष पर है। सरकारी खजाने पर आखिर पहला हक किसका है?

संसद में एक बहस के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक अन्य सांसद की टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि सुशील मोदी ने आज सदन में 'मुफ्तखोरी की संस्कृति' खत्म करने पर चर्चा का प्रस्ताव रखा है। पर जनता को मिलने वाली राहत पर उँगली उठाने से पहले हमें अपने गिरेबाँ में जरूर झांक लेना चाहिए। क्यूँ न चर्चा की शुरूआत सांसदों को मिलने वाली पेंशन समेत अन्य सभी सुविधाएँ खत्म करने से हो?

अग्निपथ' योजना के खिलाफ 7 अगस्त को राष्ट्रव्यापी मुहिम शुरू करेगा संयुक्त किसान मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) सेना में भर्ती संबंधी केंद्र की 'अग्निपथ' योजना के खिलाफ रविवार को एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगा। यह मुहिम सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों के 'यूनाइटेड फ्रंट' और विभिन्न युवा संगठनों के सहयोग से शुरू की जाएगी। 'स्वराज इंडिया' के अध्यक्ष योगेंद्र यादव ने शनिवार को कहा कि मुहिम के तहत पहला कदम उठाते हुए सात अगस्त से 14 अगस्त तक 'जय जवान जय किसान' सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यादव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इस मुहिम का लक्ष्य लोगों को विवादास्पद अग्निपथ योजना के विनाशकारी परिणामों के बारे में बताना और लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीकों का इस्तेमाल करके केंद्र पर इसे वापस लेने लिए दबाव डालना है।'' उन्होंने कहा, ''यदि (तीन) कृषि कानून क्रूर थे, तो 'अग्निपथ' योजना विनाशकारी है। यदि हमारे किसान और सैनिक संकट में होंगे, तो इससे हमारे देश की रीढ़ की हड्डी टूटने का खतरा है। हमारी चुप्पी सरकार को देश के रक्षकों एवं अन्नदाताओं को नष्ट करने देने का कारण नहीं बन सकती। हमने उन्हें एक बार रोका है, हम उन्हें फिर से रोक सकते हैं।'' उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत कुछ प्रमुख कार्यक्रम हरियाणा के जींद जिले, उत्तर प्रदेश के मथुरा और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में रविवार को होंगे।

10 अगस्त को खत्म हो जाएगा राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू का कार्यकाल

-8 अगस्त को सदन में दी जाएगी विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को खत्म हो रहा है। अपने कार्यकाल में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने सभापति के रूप में उन्होंने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। सभापति के तौर पर उनके कार्यकाल की शुरुआत को थोड़ा धीमा कहा जा सकता है, लेकिन बाद के दिनों में वह अपने फार्म में आ गए।

अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू के कार्यकाल की शुरुआत सदन की कम प्रोडक्टिविटी के साथ हुई, लेकिन बाद में इसमें काफी सुधार किया गया। इस साल के बजट सत्र तक उन्होंने जिन 13 पूर्ण सत्रों की अध्यक्षता की, उनमें से पहले पांच सत्रों की प्रोडक्टिविटी केवल 6.80 प्रतिशत से 58.80 प्रतिशत के बीच रही है। अगले 8 सत्रों में से 6 सत्र की प्रोडक्टिविटी में 76 प्रतिशत से 105 प्रतिशत का सुधार हुआ है, जिसमें 5 सत्र सुचारु रूप से चलें।

इस अवधि के दौरान सदन में रुकावट और जबरन स्थगन के लिए 58 मुद्दे मुख्य रूप से जिम्मेदार थे। आधिकारिक बयान में बताया गया राज्य सभा की 57 प्रतिशत बैठकों में दिन के किसी भी भाग या पूरे दिन के लिए सदन में रुकावट और जबरन स्थगन देखा गया है। जिन मुद्दों के चलते राज्यसभा सबसे अधिक बार स्थगित हुआ, उसमें तीन कृषि कानूनों को पारित करना, किसानों का विरोध प्रदर्शन, पेगासस स्पाइवेयर, कावेरी जल प्रबंधन बोर्ड का गठन और 2021 के शीतकालीन सत्र में 12 सदस्यों का निलंबन का फैसला शामिल था।

अविवाहित महिलाओं को सुरक्षित गर्भपात की अनुमति क्यों नहीं : सुप्रीम कोर्ट

-शीर्ष कोर्ट करेगा मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी एट की व्यापा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अविवाहित महिला को सुरक्षित गर्भपात का अधिकार नहीं देने को उसकी निजी स्वायत्तता का उल्लंघन करार देने संबंधी अपने महत्वपूर्ण निर्णय के बाद सुप्रीम कोर्ट अब मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी एक्ट 1971 (एमटीपी एक्ट-1971) तथा संबंधित नियमों की व्याख्या करेगा, ताकि यह तय किया जा सके कि क्या चिकित्सीय सलाह पर अविवाहित महिलाओं को भी 24 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति दी जा सकती है या नहीं।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश हो रही अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से इस संबंध में न्यायालय की मदद करने का आग्रह किया। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा यदि कानून के तहत अपवाद मौजूद हैं तो चिकित्सीय सलाह पर 24 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने वाली महिलाओं में अविवाहित महिलाओं को क्यों नहीं शामिल किया जाए? एमटीपी कानून के प्रावधान का जिक्र करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने टिप्पणी की एक अविवाहित लड़की जो बालिग है और अवांछित गर्भावस्था से पीड़ित है, अगर एक विवाहित महिला को 24 सप्ताह तक के गर्भ को गिराने की अनुमति है, तो अविवाहित महिला को इस अधिकार के दायरे से बाहर क्यों रखा जाना चाहिए? इस तरह के भेदभाव का कोई तार्किक कारण नहीं है।

उन्होंने कहा कि कानून में पति के स्थान पर पार्टनर शब्द रखने से ही संसद का इरादा स्पष्ट समझ में आता है। यह दर्शाता है कि संसद ने अविवाहित महिलाओं को उसी श्रेणी में रखा है जिस श्रेणी की महिलाओं को 24 हफ्ते के गर्भ को गिराने की अनुमति है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ के समक्ष कहा कि इस मामले में विशेषज्ञों की अपनी अपनी राय है और हमें उन विचारों को अदालत के समक्ष रखने की आवश्यकता है।

ऐश्वर्या भाटी ने कहा 24 सप्ताह के भ्रूण को समाप्त करने में काफी जोखिम है और इससे महिलाओं की जान भी जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इसके बाद ऐश्वर्या भाटी को विशेषज्ञों की राय से अदालत को अवगत कराने के लिए कहा और इस मामले में उनसे सहयोग करने का आग्रह किया। भारत में गर्भधारण की चिकित्सीय समाप्ति अधिनियम, 1971 का कानून, 2003 के नियमों के माध्यम से, अविवाहित महिलाओं को 20-24 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने से रोकता है।

सावधान! देश में कोरोना एक बार फिर सक्रिय हुआ, बूस्टर डोज सिर्फ 6 फीसदी लोगों ने ही लगवाया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महामारी कोरोना की संक्रमण गति में एक बार फिर इजाफा हुआ है। देश में कोरोना मामलें लगातार बढ़ रहे हैं। ओमिक्रोन और इससे जुड़े वेरिएंट इसके पीछे बड़ी वजह बनकर सामने आ रहा है। दूसरी तरफ बूस्टर डोज को लेकर जो लोगों का रवैया काफी उदासीन नजर आ रहा है। देश में 18 से 59 साल आयु वर्ग के महज 6 प्रतिशत लोगों ने ही बूस्टर डोज लगवाई है। लोगों के इस लापरवाही भरे रवैये से कोरोना के खिलाफ लड़ाई के कमजोर होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने इस साल 15 जुलाई से अगले 75 दिन तक बूस्टर डोज की खुराक मुफ्त देने का ऐलान किया था। हालांकि, इसके बाद से वैक्सीनेशन की औसत संख्या तो बढ़ी है लेकिन बूस्टर डोज लेने वालों का आंकड़ा अभी भी चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहा है।

देश की आज़ादी के 75 साल पूरे होने पर 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है। इसी के हिस्से के तहत 75 दिनों का विशेष अभियान 'कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव' शुरू किया गया है। इसके तहत 18 साल और इससे अधिक उम्र के लोगों के लिए सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर टीके की एहतियाती खुराक फ्री दी जा रही है। शुक्रवार की सुबह तक, 18 से 59 साल के आयु वर्ग में 80 करोड़ से अधिक की आबादी में से महज 4.8 करोड़ लोगों को ही बूस्टर डोज दी गई है। हालांकि, यह पिछले ऐहतियाती खुराक की शुरुआत 10 अप्रैल के बाद से 14 जुलाई तक 96 दिनों के 78 लाख डोज से काफी अधिक है। इसके बावजूद यदि मौजूदा रफ्तार जारी रहती है तब भी सितंबर के अंतिम सप्ताह में अभियान के खत्म होने तक 18-59 आयु वर्ग के महज 5वें हिस्से को ही बूस्टर डोज लगाई जा सकेगी।

हालांकि, अभियान के शुरू होने के बाद से देश के अधिकतर राज्यों में वैक्सीनेशन अभियान में तेजी आई है। जिन राज्यों ने इस अवधि में प्रति दिन सबसे अधिक औसत खुराक दी है। इसमें पश्चिम बंगाल (2 लाख), गुजरात (2 लाख), उत्तर प्रदेश (1.7 लाख) और मध्य प्रदेश (1.6 लाख) शामिल हैं। वहीं, पंजाब, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और केरल में बूस्टर डोज लगवाने वालों का औसत काफी कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी वैक्सीनेशन के आंकड़ों के अनुसार हिमाचल प्रदेश,

छत्तीसगढ़, गुजरात और दिल्ली में बूस्टर डोज लेने वाले लोगों की संख्या 10 प्रतिशत से अधिक है।

18-59 आयु वर्ग के लिए प्रति दिन बूस्टर डोज के अधिक संख्या के बावजूद, उत्तर प्रदेश वास्तव में अपने कवरेज के मामले में पिछड़ा नजर आ रहा है। यहां केवल 3.3 प्रतिशत लोगों को ही बूस्टर डोज लगी है। बूस्टर डोज के मामले में सबसे कम कवरेज वाले राज्य में पंजाब और झारखंड का नाम है। यहां 2 प्रतिशत लोगों को भी बूस्टर डोज नहीं लग पाई है। जम्मू और कश्मीर, केरल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र भी उन राज्यों में शामिल हैं जहां बूस्टर डोज कवरेज राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

एक एसआरपी जवान घायल

घातक हथियारों के साथ मवेशी पकड़ने जा रही मनपा टीम पर महिलाओं ने किया हमला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के गोददरा इलाके में मनपा टीम पर धारदार हथियारों और लाठियों से हमला किया गया. जिसमें एक एसआरपी जवान घायल हो गया। मनपा की दबाव विभाग की टीम मवेशियों को पकड़ने पहुंची। इस बीच, हमला करने के बाद, मवेशी मालिक अपने मवेशियों को छोड़ कर भाग गए। नगर निगम के कर्मचारियों ने गोददरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है. तो 4 महिलाओं समेत सात के खिलाफ दंगा करने का अपराध दर्ज किया गया है।

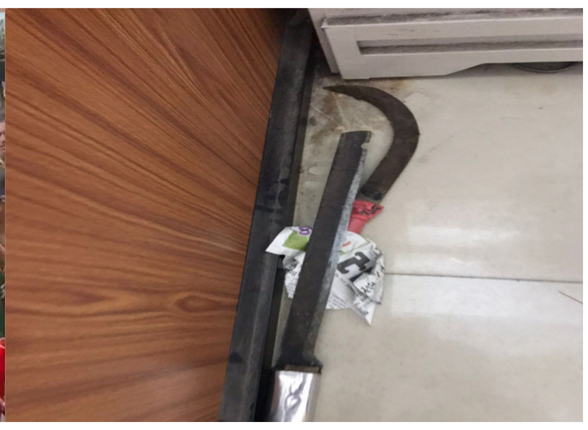

सूरत के गोददरा इलाके में सूरत नगर पालिका की पुलिस टीम पर मवेशी मालिकों और महिलाओं ने मिलकर हिंसक हमला किया . थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है कि मनपा टीम पर हथियारों से हमला किया गया जबकि मनपा टीम मवेशी पकड़ने गई थी. इस हमले में महिलाओं ने नगर निगम टीम के कर्मचारियों पर भी हाथ में हथियार लेकर हमला किया.

आवारा पशुओं को पकड़ने गई टीम सूरत के गोडादरा इलाके में एक संत ने चार सड़कों पर नगर निगम की टीम पर हमला कर दिया.

सूरत महानगर पालिका की आवारा पशु पकड़ने वाली टीम सड़क पर आवारा पशुओं को पकड़ने गई थी। मनपा की टीम जब संत की चार सड़कों पर मवेशियों को पकड़कर मनपा वाहन में लाद रही थी तो मवेशियों के मालिकों ने वहां पहुंचकर शिकायत की.

RTI विभाग में आते ही कार्यवाही किया या सेंटीग

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्वास्थ्य से संबंधित गैर बीआईएस लाइसेंस प्राप्त प्रतिष्ठानों को सील

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने शहर में चल रही खाने-पीने की दुकानों के लाइसेंस की जांच का काम शुरू कर दिया है. विभिन्न अंचलों के कर्मचारियों के समन्वय से प्रतिष्ठानों की कड़ी जांच कर सीलिंग की प्रक्रिया को अंजाम दिया गया.

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत 58 प्रतिष्ठानों में से 43 प्रतिष्ठानों को बिना लाइसेंस के संचालित संयंत्रों और प्रतिष्ठानों के लिए सील कर निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम के विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों ने लाइसेंस की जांच की,43 प्रतिष्ठानों और संयंत्र प्रबंधकों ने अपने लाइसेंस नवीनीकृत नहीं किए थे। जिसके चलते तत्काल प्रभाव से लोगों के स्वास्थ्य से समझौता करने की आशंका के आधार पर इसे सील कर दिया गया. बिना बीआईएस लाइसेंस के प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी । स्वास्थ्य विभाग के एक उप स्वास्थ्य आयुक्त आशीष नायक ने कहा कि शहर में गैर बीएसआई पैकेजिंग पेयजल संयंत्र थे। आज भी उसी आधार पर काम करते रहे जिस तरह पहले सील थे। बिना बीआइएस लाइसेंस के चल रहे प्रतिष्ठानों की जांच अलग-अलग टीमों द्वारा तत्काल प्रभाव से की जा रही है। नागरिकों के स्वास्थ्य से समझौता करने वाले सभी संगठनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अलग-अलग जोन में जाँच के बाद इस प्रकार की कार्यवाही किया गया.

आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी तो गुजरात के विकास में व्यापारियों को पार्टनर बनाएंगे - अरविंद केजरीवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जामनगर ,दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के जामनगर में व्यापारियों के साथ बैठक की। उन्होंने व्यापारियों को पांच गारंटी देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी तो गुजरात के विकास में व्यापारियों को पार्टनर बनाएंगे। व्यापारियों में डर का माहौल खत्म कर उनको इज्जत देंगे। रेड राज बंद करेंगे, एमनेस्टी स्कीम लाकर वैट के पुराने मुकदमे खत्म करेंगे और वैट के लंबित रिफंड छह महीने में दे दिए जाएंगे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जैसे फैविकोल का जोड़ टूटेगा नहीं, वैसे ही केजरीवाल की गारंटी भी कभी टूटेगी नहीं। उन्होने कहा कि अगर हम अपनी गारंटी पूरी न करें, तो अगली बार हमें वोट मत देना। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने दिल्ली में सबका इलाज और सबकी शिक्षा मुफ्त कर दी है। तो क्या गलत कर दिया, वो कहते हैं कि केजरीवाल फ्री की रेवड़ी, बांट रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीएजी की रिपोर्ट में लिखा है कि पूरे देश में अकेला दिल्ली राज्य है, जिसका बजट मुनाफे में है। गुजरात सरकार के उपर करीब 3.5 लाख करोड़ रुपए का कर्जा है, जबकि दिल्ली सरकार के उपर कोई कर्जा नहीं है। इन्होंने दोस्तों के 11 लाख करोड़ रुपए माफ कर दिए। यह ठीक है या बच्चों को फ्री शिक्षा देना ठीक है। आजाद भारत की तरक्की पर उन्होंने कहा, पूरा देश 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, यह वक्त सोचने का भी है कि इन 75 सालों में बहुत सारे देश हमसे आगे निकल गए, हम पीछे क्यों रह गए। उन्होंने कहा कि राजकोट में मेरी मीटिंग के बाद इन्होंने व्यापारियों को बहुत परेशान किया और जामनगर में आने से पहले ही इन्होंने धमकियां देनी शुरूकर दी, यह गुजरात की संस्कृति नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मीटिंग के दौरान कहा कि देश को आजाद हुए 75 साल हो गए। हमारा देश इस समय 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है।पूरा देश देशभक्ति में डूबा हुआ है।इन 75 सालों में हमने बहुत कुछ पाया।लेकिन यह वक्त सोचने का भी है।इन 75 साल में बहुत सारे ऐसे देश भी हैं, जो हमसे आगे निकल गए।सिंगापुर 1960 के अंदर आजाद हुआ था।आज वो हमसे आगे निकल गया।जापान और जर्मनी में दूसरे विश्व युद्ध में पूरी तरह से बर्बाद हो गए थे। वो भी हमसे आगे निकल गए।ऐसे बहुत सारे देश हैं, जो इन 75 साल में हमसे आगे निकल गए।हम पीछे क्यों रह गए।हमारे में क्या कमी है।

रक्षाबंधन दिवस पर सूरत में 15 साल तक की महिलाओं और बच्चों के लिए मुफ्त शहर और बीआरटीएस बस यात्रा की घोषणा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

रक्षाबंधन के त्योहार की तैयारियां आने वाले दिनों में शुरू हो गई हैं। रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई के घर जाती है और रक्षाबंधन का त्योहार मनाती है। जिसके चलते सूरत निगम ने रक्षाबंधन के दिन 15 साल तक की महिलाओं और बच्चों को सिटी और बीआरटीएस बस यात्रा मुफ्त देने का फैसला किया है. निगम की ओर से रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं में खुशी का माहौल है।

रक्षा बंधन के दिन महिलाएं शहर के एक इलाके से दूसरे इलाके में रहने वाले अपने भाइयों के घर जाती हैं. अगर वे निजी वाहन से जाते हैं, तो उन्हें भुगतान करना होगा। ताकि महिलाएं रक्षा बंधन का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाएं और वे आसानी से अपने भाइयों से मिलने जा सकें, इसके लिए निगम ने शहर की सभी महिलाओं के लिए एक दिवसीय सिटी बस और बीआरटीएस बस यात्रा मुफ्त करने की घोषणा की है।

महिलाओं को राहत प्रदान करने के लिए निर्णय स्थायी समिति के अध्यक्ष परेश पटेल ने कहा कि रक्षा बंधन के पर्व पर कोरोना काल के बाद हम बहनों से विशेष आग्रह करते हैं कि वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकें. उनके भाई के घर पर शहर ..

उन्हें खर्च न करने की सुविधा देना जरूरी है। रक्षा बंधन के दिन 15 साल तक की महिलाएं और उनके बच्चे पूरे एक दिन के लिए। उन्हें बिना एक रुपया दिए निगम के मास ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस दिन लाखों महिलाएं सिटी बसों और बीआरटीएस बसों का उपयोग करती हैं और इस निर्णय से लाभान्वित होती हैं।